रूड़की का प्रथम व एक मात्र हिन्दी दैनिक

परम नागरिक

यानि केवल पत्रकारिता

Now Visit us:
www.paramnagrik.in

आर.एन.आई. सं. UTTHIN/2011/36627
डाक पंजीयन- जी U/ADO/DDN/03/2024-2026

वर्ष 15 अंक 24 कुल पृष्ठ 8 रुड़की (हरिद्वार) गुरुवार, 20 फरवरी, 2025 मूल्य ₹ 3.00

सुप्रीम कोर्ट में टली चुनाव आयुक्त नियुक्ति मामले की सुनवाई

ईएमएस

नई दिल्ली। चुनाव आयुक्त नियुक्ति कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। समय की कमी के चलते जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली दो जजों की बेंच ने मामले को आगे बढ़ाते हुए जल्द सुनवाई का आश्वासन दिया है।

याचिकाकर्ताओं ने 2023 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले का हवाला दिया है, जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए गठित समिति में चीफ जस्टिस (सीजेआई), प्रधानमंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता को शामिल करने का आदेश दिया गया था। लेकिन सरकार ने नया कानून पास कर इस समिति से सीजेआई को हटा दिया

और उनकी जगह प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक मंत्री को शामिल कर दिया।

इस कानून को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), लोक प्रहरी और जया ठाकुर समेत कई संगठनों और व्यक्तियों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

याचिकाकर्ताओं ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त विवेक जोशी की नियुक्ति को भी असंवैधानिक बताते हुए याचिका दायर की है। जया ठाकुर के वकील ने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की पारदर्शिता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। वकील प्रशांत भूषण ने दलील दी कि इस सुनवाई में कम से कम एक घंटा लगेगा, जिस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हर याचिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन आज इस पर सुनवाई संभव नहीं। कोर्ट ने जल्द सुनवाई की नई तारीख देने का आश्वासन दिया।

अब देखना होगा कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर कब सुनवाई करता है और क्या चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर कोई बड़ा फैसला आता है।

यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कश्मीर मुद्दा उठाने पर लगाई फटकार

पाक का झूठ जम्मू-कश्मीर की जमीनी हकीकत को नहीं बदल सकता

ईएमएस

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने पाकिस्तान को फटकार लगाई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री की ओर से कश्मीर मुद्दा उठाने पर मंगलवार को यूएनएससी में कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए हरीश ने कहा कि आपको इसका कोई हक नहीं है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। वहीं कश्मीर के कुछ हिस्से पर पाकिस्तान का कब्जा है, वो पूरी तरह अवैध है। ऐसे में पाकिस्तान को भारत और कश्मीर पर दुष्प्रचार करना बंद कर देना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहुपक्षवाद का अभ्यास और वैश्विक शासन में सुधार पर बोलते हुए हरीश ने कहा कि पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री ने अपनी टिप्पणी में कश्मीर का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग हमेशा रहेगा। पाकिस्तान के झूठ फैलाने वाले दुष्प्रचार अभियान इस जमीनी हकीकत को नहीं बदल सकते हैं। हरीश ने कहा कि कश्मीर के लोगों ने पिछले साल बड़ी संख्या में मतदान करके अपनी सरकार चुनी है। ये जम्मू-कश्मीर में मजबूत होते लोकतंत्र को दिखाता है। ये पाकिस्तान के दावों के विपरीत है।

हरीश ने कहा कि पाकिस्तान खुद को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे बताता है लेकिन सच्चाई इसके उलट है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंक से लड़ नहीं रहा है बल्कि खुद आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है। हमारा रुख साफ है कि आतंकवाद के किसी भी रूप या प्रकार का कोई औचित्य नहीं हो सकता। आतंकवाद को किसी भी सूरत में ठीक नहीं ठहराया जा सकता और संयुक्त राष्ट्र अच्छे-बुरे आतंकियों के बीच फर्क नहीं कर सकता है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए भारत को घेरने की कोशिश की थी। उन्होंने कश्मीर में मानवाधिकारों को कुचले जाने और पुलिसिया अत्याचार के आरोप लगाए थे साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लगातार आतंक के खिलाफ मजबूती से लड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों की तीखी बयानबाजी कश्मीर मुद्दे पर दोनों देशों के तनाव को दिखाती है। कश्मीर मुद्दे पर दोनों देशों के बीच लंबे समय से मतभेद रहे हैं।

त्रिवेंद्र सरकार के भू कानून किए निरस्त

भू-कानून पर उत्तराखंड कैबिनेट की मुहर

आरएनएस

देहरादून। उत्तराखंड कैबिनेट ने बुधवार को संशोधित भूमि कानून संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब संशोधित भूमि कानून को चालू बजट सत्र में पेश किया जाएगा, जो 24 फरवरी को समाप्त होगा। बुधवार को विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में नए संशोधित भूमि कानून को मंजूरी दी गई। नए भूमि कानून के तहत हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर जिलों को छोड़कर उत्तराखंड के 11 अन्य जिलों में राज्य से बाहर के लोग बागवानी और कृषि भूमि नहीं खरीद पाएंगे।

मामले से वाकिफ अधिकारियों के मुताबिक, उत्तराखंड से बाहर के लोगों को जमीन खरीदने के लिए अब एक हलफनामा देना अनिवार्य होगा ताकि धोखाधड़ी और अनियमितताओं को रोका जा सके। जिलाधिकारियों को भूमि खरीद की अनुमति नहीं मिल पाएगी। सभी मामलों में प्रक्रिया सरकार द्वारा बनाए गए ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। नए कानून में पूर्व की त्रिवेंद्र सिंह रावत

सरकार की ओर से साल 2018 में लागू प्रावधानों को समाप्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में भूमि का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने और अतिक्रमण को रोकने के लिए खेती की जमीन की चकबंदी की जाएगी। राज्य में भूमि खरीद के लिए एक पोर्टल बनाया जाएगा, जहां राज्य के बाहर किसी भी व्यक्ति द्वारा की गई जमीन की खरीद को रिकॉर्ड किया जाएगा। सभी जिलाधिकारियों को जमीन की खरीद बिक्री से संबंधित रिपोर्ट नियमित रूप से राज्य राजस्व परिषद और राज्य सरकार को देनी होगी।

अधिकारियों ने बताया कि नगर निगम सीमा में आने वाली जमीन का इस्तेमाल निर्धारित भू-उपयोग नियमों के अनुसार ही किया जा सकेगा। यदि कोई शख्स नियमों के उलट जमीन का उपयोग करता है तो उक्त जमीन सरकार के पास चली जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि नए भूमि कानून से उत्तराखंड में बाहरी लोगों की ओर से अंधाधुंध जमीन की खरीद पर रोक लगेगी, पर्वतीय क्षेत्रों में जमीन का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। इससे राज्य के मूल निवासी आसानी से जमीन खरीद सकेंगे। साथ ही जमीन की खरीद बिक्री पर राज्य सरकार का नियंत्रण हो जाएगा।

उत्तराखंड में बाहर वाले नहीं खरीद पाएंगे जमीन

नई दिल्ली। नए भू कानून में उत्तराखंड से बाहर के दूसरे राज्य के लोगों के लिए कृषि, उद्यान की जमीन खरीद को प्रतिबंधित कर दिया है। हरिद्वार और उधमसिंह नगर को छोड़ शेष 11 जिलों में दूसरे राज्य के लोग कृषि, उद्यान की जमीन नहीं खरीद पाएंगे। सिर्फ हरिद्वार और उधमसिंह नगर में ही बाहर वाले कृषि, उद्यान के लिए जमीन खरीद सकेंगे।

पहाड़ों पर बाहर के लोगों के तेजी से जमीन खरीदने से तेजी से होते डेमोग्राफिक बदलाव को रोकने को जमीन खरीद प्रक्रिया पर शिकंजा कस दिया गया है। अभी तक उत्तराखंड में बाहर के लोग बिना मंजूरी के 250 वर्ग मीटर और मंजूरी लेकर साढ़े 12 एकड़ से भी अधिक जमीन कृषि, उद्यान के लिए खरीद सकते थे। इससे पहाड़ के पहाड़ बाहर के लोगों ने वर्ष 2018 के बाद से खरीदे। इससे पहाड़ पर बाहर के लोगों का मूवमेंट तेजी से बढ़ा। बाहरी लोगों के इसी बढ़ते दबाव में सख्त भू कानून की मांग उठी। बुधवार को धामी कैबिनेट ने बाहरी लोगों के कृषि भूमि खरीदने को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है। कैबिनेट ने हरिद्वार और उधमसिंहनगर को इस प्रतिबंध से मुक्त रख कर पहाड़ मैदान को भी साधने का काम किया। 11 जिलों में सख्त भू कानून की मांग की जा रही थी, तो हरिद्वार, यूएसनगर में भूकानून को थोड़ा नरम रखने की मांग की जा रही थी। सरकार ने बीच का रास्ता निकालते हुए प्रतिबंध को 11 पहाड़ी जिलों तक सीमित रख दिया है। जिलाधिकारियों का अधिकार किया समाप्त: बाहरी लोगों को अभी तक जिलाधिकारी स्तर से जमीन खरीद की आसानी से मंजूरी मिल रही थी। इस व्यवस्था को भी कैबिनेट ने पूरी तरह समाप्त कर दिया है। अब जिलाधिकारी स्तर से मंजूरी देने के प्रावधान को ही समाप्त कर दिया गया है।

पहली बार की विधायक रेखा गुप्ता बनेंगी दिल्ली की मुख्यमंत्री

आरएनएस

नई दिल्ली। दिल्ली में मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा में पहली पसंद बनकर उभरीं रेखा गुप्ता कौन हैं? वे मूल रूप से कहां की रहने वाली हैं और दिल्ली से उनका नाता कितना पुराना है? इसके अलावा रेखा गुप्ता की पढ़ाई कहां-कहां हुई है और उनका सियासी सफरनामा क्या रहा है? आइये जानते हैं...

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए हुए 11 दिन का समय हो चुका है। इसी के साथ भाजपा ने राजधानी में अपने अगले मुख्यमंत्री चेहरे का एलान कर दिया है। रेखा गुप्ता दिल्ली की अगली मुख्यमंत्री होंगी। 20 फरवरी को वे दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ लेंगी। यह 26 साल बाद है, जब दिल्ली में भाजपा का कोई नेता मुख्यमंत्री बना है। इस बीच राजनीतिक गलियारों में कई नेताओं के मुख्यमंत्री बनने की अटकलें लगाई गईं। इनमें सबसे बड़ा दावा रेखा गुप्ता के नाम को लेकर ही किया गया। कुछ रिपोर्ट्स में तो यहां तक कहा जा रहा है कि रेखा गुप्ता को संघ की मंजूरी मिल चुकी थी और भाजपा ने भी उन्हें सीएम पद के लिए अपनी पसंद भी बना लिया था।

दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री होंगी रेखा

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के करीब 11 दिन बाद मुख्यमंत्री के नाम का एलान हो चुका है। दिल्ली ने इस दौरान अब तक आठ मुख्यमंत्री देखे हैं और भाजपा ने रेखा गुप्ता को राजधानी का नेतृत्व करने वाले नौवां सीएम बनाने का एलान कर दिया। इसी के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री होंगी। उनसे पहले सिर्फ सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी ही दिल्ली में महिला सीएम रही थीं। इस बीच चौंकाने वाली बात यह है कि 1952 से लेकर अब तक दिल्ली में सबसे लंबा 19 साल का कार्यकाल संभालने वाली कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों की संख्या सिर्फ तीन रही है, जबकि 1993 में महज पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाली भाजपा ने राजधानी को तीन मुख्यमंत्री दिए हैं।

आपदा प्रभावितों की मदद को चट्टान की तरह खड़ी सरकार : गृहमंत्री

आरएनएस

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा है कि मोदी सरकार आपदा प्रभावित लोगों की सहायता के लिए चट्टान की तरह खड़ी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक समिति ने 2024 के दौरान अचानक आई बाढ़, भूस्खलन और चक्रवाती तूफान से प्रभावित पांच राज्यों को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कुल 1554.99 करोड़ रुपये में से आंध्र प्रदेश के लिए 608.08 करोड़ रुपये, नागालैंड के लिए 170.99 करोड़ रुपये, ओडिशा के लिए 255.24 करोड़ रुपये, तेलंगाना के लिए 231.75 करोड़ रुपये और त्रिपुरा के लिए 288.93 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मोदी सरकार आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए चट्टान की तरह खड़ी है। आज गृह मंत्रालय ने एनडीआरएफ के तहत आंध्र प्रदेश, नागालैंड, ओडिशा, तेलंगाना और त्रिपुरा को 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है।

भारत मालामाल है उसे सहायता की जरुरत नहीं : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को मालामाल बताते हुए करोड़ा डॉलर की सहयता की जरुरत को नकार दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया दो दिवसीय अमेरिका दौरे का जिक्र करते हुए कहा, हम भारत को 108 अरब क्यों दे रहे हैं? उनके पास पहले से ही बहुत पैसा है। वे दुनिया के सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक हैं। हम वहां मुश्किल से प्रवेश कर पाते हैं क्योंकि उनके टैरिफ काफी अधिक हैं। मुझे भारत और उनके प्रधानमंत्री को लेकर बहुत सम्मान है, लेकिन वहां के चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 1.8 अरब क्यों देना? सूची में चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया सुदृढ़ीकरण के लिए समूह को 48.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान शामिल था।

शिवाजी महाराज की कार्यशैली और राजनीतिक प्रणाली हमारे लिए प्रेरणास्रोत : मोदी

आरएनएस

नई दिल्ली। मराठा साम्राज्य के संस्थापक और शौर्य का पर्याय छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें नमन किया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वीडियो पोस्ट कर मराठा शूरवीर के मूल्यों को प्रेरणा का स्रोत बताया।

पीएम मोदी ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, मैं छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी जयंती पर नमन करता हूं। उनकी वीरता और दूरदर्शी नेतृत्व ने स्वराज्य की नींव रखी, तथा कई पीढियों को साहस और न्याय के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। वे हमें एक सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वीडियो में पीएम मोदी छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण और पुष्पार्पण करते दिख रहे हैं।

पीएम मोदी ने वीडियो में कहा, मेरे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज, ये सिर्फ नाम नहीं है, ये शब्द राजा महाराजा, राजपुरुष मात्र नहीं है। हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज आराध्य देव हैं। हमारे लिए हमारे आराध्य देव से बड़ा कुछ नहीं होता है। छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता, विचारधारा और न्यायप्रियता ने कई पीढियों को प्रेरित किया। उनकी साहसिक कार्यशैली, सामरिक कौशल और शांतिपूर्ण राजनीतिक प्रणाली आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत है। हमें इस बात का गर्व है कि दुनिया के कई देशों में आज भी छत्रपति शिवाजी महाराज की नीतियों की चर्चा होती है और उस पर शोध होता है। इतने वर्ष बाद भी उनके द्वारा स्थापित किए गए मूल्य हमें आगे बढने का मार्ग दिखा रहे हैं। इन्हीं मूल्यों के आधार पर हमें अमृत काल की पच्चीस वर्षों की यात्रा पूरी करनी है। यह यात्रा होगी छत्रपति शिवाजी महाराज के सपनों का भारत बनाने में। यह यात्रा होगी स्वराज, सुशासन और आत्मनिर्भरता की। यह यात्रा होगी विकसित भारत की। मैं छत्रपति शिवाजी महाराज के चरणों में कोटि कोटि नमन करता हूं।

गौरतलब है कि शिवाजी महाराज ने मराठा साम्राज्य की स्थापना की और मुगल शासकों के खिलाफ वीरता पूर्वक युद्ध लड़े। उनकी शौर्यगाथा इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से लिखी गई है। हर मराठा उनके नाम को गर्व से याद करता है। उनकी वीरता न केवल महाराष्ट्र में, बल्कि पूरे देश में प्रेरणा का स्रोत मानी जाती है। शिवाजी महाराज एक कुशल प्रशासक, साहसी योद्धा और सच्चे देशभक्त थे। उन्होंने मराठा साम्राज्य की नींव रखकर मुगलों को परास्त करने का संकल्प लिया। 19 फरवरी 1630 में जन्मे शिवाजी ने अपने जीवन भर मुगलों से लोहा लिया। उनका लक्ष्य था कि अपने राष्ट्र को मुगलों के नियंत्रण से मुक्त कराएं और उसे शक्तिशाली बनाएं।

मेरे कट्टरपंथियों से संबंध साबित करे भाजपा, तत्काल दूंगी इस्तीफा : ममता

ईएमएस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने भाजपा नेताओं पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि मुझ पर आतंकियों और कट्टरपंथियों से संबंध रखे जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यदि ये आरोप साबित कर दें तो मैं तत्काल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगी।

राज्य विधानसभा को संबोधित करते हुए ममता ने अपने खिलाफ बेबुनियाद टिप्पणियां करने के लिए भाजपा विधायकों की आलोचना की और कहा कि वह इस तरह के दावों की शिकायत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखेंगी। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा, भाजपा नेता और विधायक बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं कि मेरे कश्मीर में आतंकवादियों और बांग्लादेश के आतंकवादियों व कट्टरपंथियों से संबंध हैं। अगर भाजपा साबित कर दे कि मेरे आतंकवादियों और कट्टरपंथियों से संबंध हैं, तो मैं इस्तीफा दे दूंगी।ममता ने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर शिकायत करेंगी कि उनकी पार्टी के विधायक सबूत न होने के बावजूद उन पर बांग्लादेशी कट्टरपंथियों से संबंध होने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, आतंकवाद के झूठे आरोप लगने से मर जाना बेहतर है।

ममता ने कहा, अभिव्यक्ति की आजादी उन्हें (भाजपा विधायकों को) नफरत फैलाने वाले भाषण देने और लोगों को बांटने की अनुमति नहीं देती है। अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब नफरत फैलाने वाली बातें नहीं है। आप (भाजपा विधायक) राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का सहारा लेते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं करते।तृणमूल प्रमुख ने कहा कि वह धर्मनिरपेक्षता और सभी समुदायों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास करती हैं। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

किसी दलित विधायक को बनाएं नेता प्रतिपक्ष : स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी में नेता प्रतिपक्ष को लेकर मंथन का दौर जारी है। बताया जा रहा है कि गोपाल राय या पूर्व सीएम आतिशी को ये जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसी बीच राज्य सभा सांसद स्वाति मालीवाल ने आप प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को चुनौती देकर कहा कि वे दिल्ली में किसी दलित समाज से आने वाले विधायक को नेता प्रतिपक्ष बनाएं। इस संबंध में स्वाति ने केजरीवाल को एक पत्र भी लिखा है। मालीवाल ने लिखा, दिल्ली चुनावों के नतीजों के बाद अपने स्वास्थ्य और मन की शांति पर ध्यान दे रहे है। इस पत्र के माध्यम से आपके समक्ष एक जरूरी मांग रखना चाहती हूं। आपको याद होगा 2022 में पंजाब चुनाव के दौरान वादा किया था कि जीतने के उपरांत हम एक दलित उपमुख्यमंत्री बनाएंगे।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी की राहुल गांधी को नसीहत

कहा, सेना को राजनीति में नहीं घसीटे

ईएमएस

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि सेना को कभी भी राजनीति में नहीं घसीटना नहीं चाहिए। ऐसा होने पर बहुत चिंता की बात होगी। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने कहा कि सेना ने चीन के साथ बातचीत के रास्ते को आगे बढ़ाया है। यदि हम एक दूसरे से बात करते हैं तब बहुत से संदेह दूर हो पाएंगे। हमारी यह राय रही है कि किसी भी तरह से संदेह को खत्म किया जाए। इसके लिए हमारे द्वारा कोर कमांडर्स को ताकत दी है कि जहां भी संभव हो, वे फैसला ले लें। यदि बातचीत से कोई मसला हल होता है, तब कर लिया जाए। उन्हें यह पावर दी गई है कि यदि उनके लेवल से कोई मामला हल हो सकता है, तब क्यों ना ऐसा किया जाए। उसके लिए किसी भी तरह की मंजूरी का इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

दरअसल राहुल गांधी ने कहा था कि चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने कहा था कि लद्दाख सेक्टर में घुसपैठ हुई थी। इस पर उन्होंने कहा कि सेना को राजनीति में नहीं घसीटा जाना चाहिए। वहीं महिलाओं को देवी काली की तरह सेना में शामिल करने की अपनी टिप्पणी पर फिर से जनरल द्विवेदी ने अपनी बात की। जनरल द्विवेदी ने कहा कि मेरा भाव यह था, जो हमारे इतिहास में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बारे में कहा गया था कि बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह झांसी वाली रानी थी। बता दें कि महिलाओं को सेना में शामिल करने के वह हिमायती रहे हैं। सेना प्रमुख ने इस दौरान हथियारों की बिक्री को लेकर भी बात की।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारे यहां से विदेशों में हथियार भेजे जा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अब हथियार बनाने वाली कंपनियों को आसानी से लाइसेंस देने और छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से यह कहता रहा है कि हम संवाद चाहते हैं। लेकिन जब जरूरी होगा, तब हम जंग से भी पीछे नहीं हटने वाले है।

आश्वासन के बाद आयुर्वेद विवि शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ का आंदोलन स्थगित

हरिद्वार। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ ने चरणबद्ध आंदोलन कुलसचिव के लिखित आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया। संघ के कार्यकारी अध्यक्ष खेमानंद ने बताया कि कुलसचिव के लिखित आश्वासन के बाद आयुर्वेदिक विवि शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ ने अपने चरणबद्ध आंदोलन को स्थगित कर दिया है। ऋषिकुल आयुर्वेद कॉलेज में कार्यरत कर्मचारियों को पिछले चार माह से वेतन नहीं मिलने पर चरणबद्ध आंदोलन की 14 फरवरी को शुरुआत कर दी थी। जो कि काली पटटी बांध कर विरोध करने से लेकर कुछ घंटे के कार्य बहिष्कार तक पहुंच गया था। शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ ने 22 फरवरी को एक दिन का पूर्ण कार्य बहिष्कार करने का ऐलान भी किया हुआ था। लेकिन आयुर्वेदिक विवि के उच्चाधिकारियों के आश्वासन के बाद बुधवार को चरणबद्ध आंदोलन के तीसरे चरण में पहुंचने के बाद स्थगित कर दिया गया।

वहीं लघु व्यापार एसोसिएशन के बैनर तले लघु व्यापारी शुक्रवार को नगर आयुक्त का घेराव करेंगे। इस दौरान फेरी समिति की बैठक कराने समेत पांच प्रमुख मुद्दे उठाए जाएंगे। लघु व्यापारियों की ज्वालापुर-पुल जटवाड़ा इकाई की बैठक एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में हुई। इसमें एसोसिएशन से जुड़े सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में चोपड़ा ने कहा कि एक साल से अधिक समय से नगर निगम प्रशासन की ओर से फेरी समिति की बैठक आयोजित नहीं की है। कहा कि यह प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना के तहत नगरी फेरी नीति नियमावली का घोर उल्लंघन है।

पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमेश पोखरियाल ने नए भू कानून को बताया ऐतिहासिक फैसला

भू कानून से माफिया पर लगेगी नकेल

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने प्रदेश सरकार द्वारा बनाए गए नए भू कानून पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे एक ऐतिहासिक फैसला बताया और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इसके लिए बधाई देते हुए कहा कि नए भू कानून से भू माफियाओं पर नकेल कसी जाएगी। बाहरी प्रदेशों के लोगों को ठगी से भी निजात मिलेगी। उन्होंने कहा इस कानून से प्रदेश के लोगों में डर भय था वह दूर होगा और जमीनों का संरक्षण प्रदेश हित में होगा। गलत लोगों का प्रवेश बंद होगा। जरूरतमंद लोग जिला प्रशासन की समीक्षा के उपरांत ही भूमि खरीद सकेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य पर्यावरण की पहली पाठशाला है। देश दुनिया के लोग मां गंगा एवं हिमालय के दर्शन करने के लिए उत्तराखंड पहुंचते हैं। राज्य में नेशनल पार्क है। प्राकृतिक सौंदर्य से राज्य की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य से काफी लगाव रखते हैं। राज्य आस्था का प्रतीक है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, कैलाश मानसरोवर जैसी यात्राएं उत्तराखंड में होती है। जिससे हजारों करोड़ों का निवेश प्रदेश में होता है। सिडकुल से रोजगार लोगों को प्राप्त होते हैं। यह कानून निश्चित रूप से राज्य हित में होगा। राज्य के सैनिक सीमाओं की रक्षा करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। राज्य आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा में आंतरिक लोकतंत्र है। चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया के पश्चात ही इस पर निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि वह एक सामान्य कार्यकर्ता की भांति कार्य करते हुए भाजपा की नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने का कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल, पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जमदग्नि भी मौजूद रहे।

वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील सेठी ने जतायी विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील सेठी ने विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। सुनील सेठी ने कहा कि हरिद्वार सीट छोड़कर जहां से भी पार्टी मौका देगी। उस सीट पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। सुनील सेठी ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि मदन कौशिक उनके नेता हैं, उनके सामने वे टिकट नहीं मांग सकते। इसलिए हरिद्वार सीट छोड़कर किसी भी सीट से 2027 विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए वे तैयार हैं। लगातार जनता ओर व्यापारियों की आवाज उठाने। उनकी मूलभूत सुविधाओं को लेकर वे संघर्ष और प्रयास करते रहते हैं। जिसमें कुछ बेहतर जनहित के कार्यों को धरातल पर उतराने के लिए किसी संवैधानिक स्थान की आवश्यकता है। जहां जनता की आवाज को बुलंद कर उनकी सेवा का मौका मिले। जिसके लिए 2027 विधानसभा चुनाव में पार्टी से टिकट की प्रबल मांग करेंगी। पार्टी टिकट देगी तो चुनाव अन्यथा जिस प्रत्याशी को टिकट मिलेगा उसका उसी प्रकार समर्थन सहयोग करेंगे। जैसे हरिद्वार मेयर प्रत्याशी के लिए करते हुए एक बड़ी जीत में अपना योगदान दिया। सुनील सेठी ने कहा कि मैं भाजपा का सिपाही हूं। जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी ने सांसद चुनाव में निष्ठावान कार्य करने वाले नए चेहरों को दिल्ली एवं अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव में मौका दिया। संभव हो सकता है कि हमारी आवाज जनता की मांग को ध्यान रखते हुए इस बार 2027 विधानसभा नए युवाओं का मोदी मौका दें।

महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताए जाने पर माफी मांगे ममता बनर्जी

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रयागराज महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताए जाने पर कनखल सन्यास मार्ग स्थित बापेश्वर धाम के परमाध्यक्ष महंत मधूसूदन गिरी महाराज ने ममता बनर्जी से माफी मांगने की मांग की है। महंत मधूसूदन गिरी महाराज ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहकर ममता बनर्जी ने सनातन धर्म और करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाओं का अपमान किया है। महाकुंभ सनातन धर्म का सबसे बड़ा पर्व है। महाकुंभ में होने वाले श्रद्धालुओं और संतों के समागम में शामिल होने के लिए देश और विदेशों से करोड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। आदि गुरू शंकराचार्य द्वारा स्थापित सभी तेरह अखाड़ों के संत महापुरूषों के सानिध्य में श्रद्धालु गंगा स्नान कर पुण्य अर्जित करते हैं। संत महापुरूषों की दिव्य वाणी से प्रसारित होने वाले आध्यात्मिक संदेशों को आत्मसात कर अपने जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। महंत मधूसूदन गिरी महाराज ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में अखाड़ों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बेहतर व्यवस्थाएं की गयी हैं। दिव्य और और भव्य रूप से संपन्न हो रहे महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताकर ममता बनर्जी ने औछी मानसिकता का प्रदर्शन किया है। अपने इस शर्मनाक बयान के लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। यदि वे माफी नहीं मांगती हैं तो अखाड़ों और संत समाज को उनका बहिष्कार करने का निर्णय लेना चाहिए।

छात्रों ने किया गुरुकुल कांगड़ी फार्मेसी का भ्रमण

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। गुरूकुल कांगडी समविश्वविद्यालय के वनस्पति एवं सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के छात्रों ने गुरुकुल कांगड़ी फार्मेसी का भ्रमण किया। कौशल विकास पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विश्व की प्राचीनतम एवं प्रमाणिक गुरूकुल कागडी फार्मेसी का भ्रमण एव अवलोकन किया। इस दल में लगभग 50 छात्र शामिल रहे। इस अवसर पर छात्र विशेष रूप से किडवन /फर्मन्टैसन के लिए उपयोग होने वाले (प्राचीन उपकरणों) लकड़ी के विशेष विधि से बने लकड़ी के डमों (डोल) को देखा।

प्राप्त जानकारी के अनुसर गुरूकुल कांगडी समविश्वविद्यालय के वनस्पति एवं सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के छात्रों ने गुरुकुल कांगड़ी फार्मेसी का भ्रमण किया। इस अवसर पर प्रो0 मुकेश कुमार विभागाध्यक्ष वनस्पति एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के छात्रों को आयुर्वेद की उपयोगिता एवं जीवन में उनके उपयोग की महत्ता को बताया। तथा इसको अपने जीवन में इसकी रोजमर्रा उपयोग की जानकारी दी। इस अवसर पर गुरूकुल कांगड़ी फार्मेसी के जनरल मैनेजर डा0 अन्नत कृष्णा पिल्लई ने छात्रों को फार्मेसी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार एवं उद्योग स्थापन आदि के बारे में जानकारी देते हुए कौशल विकास की महत्ता एवं उपयोगिता के विषय में जानकारी दी। इस अवसर पर डा विनीत कुमार विश्नोई ने छात्रों को किडवन /फर्मन्टैसन के तकनीकों को समझायाद्य डा0 चिरंजीव बैनर्जी ने छात्रों को अमृत रसायन, ब्रह्मीरसायन, शिलाजीत, सूर्यतापी जैसे आयुर्वेदिक औषधियों के जैव रसायन एवं रासायनिक प्रक्रिया को समझाया। डा0 संदीप कुमार ने छात्रों को गुरूकुल चाय, च्यवनप्राश पायोकिल एवं चन्द्रप्रभा वटी आदि उत्पादों में उपयोग होने वाले औषधीय पौधों एवं उनके वानस्पतिक नाम एवं पहचान से अवगत कराया। इस अवसर पर वरिष्ट लेखाकार शांनु प्रजापति, अमरीश कुमार, विक्रम, मनोज सिंह, अरुण कुमार, शमरेन्द्र रतूड़ी एवं गुरप्रीत सिंह मौजूद रहें।

रक्तदान शरीर के लिए बहुत आवश्यक

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। वरिष्ठ भाजपा नेता डा.विशाल गर्ग ने हरिद्वार ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ मिलकर मैक्स हॉस्पिटल देहरादून के सहयोग से रक्तदान शिविर व नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। हरिद्वार ट्रांसपोर्टग् वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर कुमार जोशी, सेक्रेटरी नरेश कुमार, उपाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, कोषाध्यक्ष सोनू शर्मा, नरेश स्वामी, सूरजभान शर्मा, उम्मीद चौधरी, निहाल सिंह, कमल शर्मा, देवेंद्र चौधरी, राजकुमार शर्मा, मनोज शर्मा, राखी सजवान, विपिन शर्मा आदि शिविर में मौजूद रहे और रक्तदाताओं का उत्साहवर्द्धन किया। रक्तदान शिविर में 60 यूनिट ब्लड एकत्र हुआ और चिकित्सा शिविर में 150 मरीजों की नि:शुल्क ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर आदि की जांच की गयी। डा.विशाल गर्ग ने कहा कि रक्तदान शरीर के लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से न केवल दूसरों की जान बचाई जा सकती है। बल्कि यह हमारे अपने शरीर के लिए भी फायदेमंद है। डा.गर्ग ने कहा कि रक्तदान करने से हमारे शरीर में नई रक्त कोशिकाएं बनती हैं। जो हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। इसके अलावा रक्तदान करने से हमारे शरीर में रक्त की कमी को पूरा करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक पुण्य कार्य है और इससे समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि रक्तदान करने के लिए आगे आएं और दूसरों की जान बचाने में मदद करें।

श्रीमहंत रविंद्रपुरी के पुन: निरंजनी अखाड़े का सचिव बनने पर संतों ने दी बधाई

उच्च कोटि के संत और नेतृत्वकर्ता हैं रविंद्रपुरी

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एव मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज को पुन:निरंजनी अखाड़े का सचिव चुने जाने पर संतों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

जूना अखाड़े के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज ने कहा कि श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज उच्च कोटि के संत और नेतृत्वकर्ता हैं। उनके पुन: निरंजनी अखाड़े का सचिव बनने से अखाड़े और सनातन धर्म संस्कृति की परंपराओं को गति मिलेगी। दास धर्म पंथ के अध्यक्ष संत त्रिलोचन दास महाराज ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने अखाड़ों की व्यवस्थाओं को जिस प्रकार संभाला है। वह सराहनीय है। श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के मुखिया महंत दुर्गादास महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद महाराज एवं महंत राघवेंद्र दास महाराज ने कहा कि श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज के पुन: निरंजनी अखाड़े का सचिव बनने से संत परंपराएं और मजबूत होंगी। महामंडलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश महाराज, महंत गोविंददास, स्वामी अनंतानंद गिरी, महामंलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी, स्वामी चिदविलासानंद, स्वामी ऋषि रामकृष्ण, महंत जयेंद्र मुनि व महंत प्रेमदास महाराज ने भी श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज को शुभकामनाएं दी और कहा कि अखाड़ों के बीच एकता और समन्वय स्थापित करने में उनकी हमेशा अहम भूमिका रही है। श्रीमहंत रविंद्रपुरी के अलावा पुन:निरंजनी अखाड़े के सचिव चुने गए।

पौलैंड में भारत के राजदूत रहे भंडारी ने दिया मर्म चिकित्सा का प्रशिक्षण

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। मृत्युंजय मिशन के तत्वाधान में विगत गैंडी खाता में आयोजित 6 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मर्म चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर में पोलैंड में भारत के राजदूत रहे चंद्रमोहन भंडारी ने प्रशिक्षणार्थियों को योग एवं प्राणायाम की दैनिक जीवन में महत्व की जानकारी दी और योग योगासनों का अभ्यास कराया। चंद्रमोहन भंडारी ने मर्म चिकित्सा के विषय में अपने अनुभव बताते हुए कहा कि बरसों पहले डा.सुनील जोशी के संपर्क में आने के पश्चात उन्हें इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति का ज्ञान हुआ। जिसका उन्होंने देश-विदेश में प्रचार करते हुए स्वयं भी अनुभव किया कि यह एक चमत्कारिक दुष्प्रभाव रहित तथा तुरंत असर करने वाली चिकित्सा पद्धति है। सीएम भंडारी ने महाकुंभ मेले में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए नि:शुल्क मर्म चिकित्सा शिविर का उल्लेख करते हुए बताया कि उत्तराखंड ही नहीं देश के कई राज्यों में विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थाएं मर्म चिकित्सा को अपना रही हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न मर्म बिंदुओं को उत्प्रेरित करने एवं असाध्य रोगों में उनके प्रभाव के विषय में भी जानकारी दी। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं मर्म चिकित्सा विशेषज्ञ डा. सुनील जोशी ने मर्म प्राणायाम, मर्म आसनों के विषय में विस्तार से जानकारी तथा इसके उपयोग और लाभ भी बताए। उन्होंने कुछ विशेष आसानो अधिपति मर्म से लेकर शिप्र, इंद्र वस्ती, जानु, गुल्फ तथा कमर में स्थित मर्मों को जैसे अंश, अंश फलक कुकुंदर, अणी, उर्वी आदि मर्मों के बारे में विस्तार से बताया तथा किस मर्म बिन्दु को उत्प्रेरित करने पर कौन से रोग में लाभ होता है। इसकी जानकारी भी प्रशिक्षणार्थियों को दी। साथ ही मर्म, योग और प्राणायाम इन तीनों के पारस्परिक संबंध को भी विस्तार से बताया। डा.सुनील जोशी, डा.विपिनचंद्र, डा.संदीप सुमन, मयंक जोशी, विवेक चौधरी, शत्रुघ्न डबराल, विपिन चौधरी, चंद्रकांत आदि ने कर्नाटक बेंगलुरू, मध्य प्रदेश राजस्थान, महाराष्ट्र, असम, गुजरात, दिल्ली तथा ब्रिटेन से आए 67 प्रशिक्षणार्थियों को मर्म चिकित्सा के गुढ रहस्यो से अवगत कराया। साथ ही प्रैक्टिकल द्वारा शरीर में स्थित 107 मर्म बिंदुओं की पहचान और उनको उत्प्रेरित करने का तरीका भी बताया। प्रशिक्षण शिविर के संयोजक मयंक जोशी ने बताया कि 16 फरवरी से शुरू हुए 6 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मर्म चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर का समापन 21 फरवरी को प्रमाण पत्र वितरण के साथ होगा।

शादी में गए दोस्तों से मारपीट, केस दर्ज

हरिद्वार। शादी में गए दोस्तों के साथ लाठी-डंडों और सरिये से मारपीट कर दी गई। एक युवक का सिर फट गया जबकि अन्य को भी चोटें आई हैं। पुलिस ने 12 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में ग्राम बोंगला बहादराबाद निवासी संगीत कुमार ने बताया कि 17 फरवरी को उसका बेटा कुणाल अपने दोस्त सूरज, अंकुर के साथ सिडकुल रोशनाबाद में शादी में गया था। जहां उसे अमित भी मिल गया। आरोप है कि यहां डीजे पर मौजूद अरविंद उसका भाई अंकुश, झाल सिंह, पवन, भोला, अंकित, आकाश, लक्ष्मण, चरण सिंह निवासीगण कुवाखेड़ा थाना लक्सर, दो अज्ञात युवक मिले। सभी ने उनसे गाली-गलौज करते हुए लाठी डंडे, सरियो से हमला कर दिया। जिससे कुणाल का सिर फट गया। तीनों दोस्तों को भी चोटें आई।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमिटेड
(उत्तराखण्ड शासन का उपक्रम)
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, लक्सर, हरिद्वार
दूरभाष: 01332-254021

विद्युत बन्दी सूचना

निम्नलिखित क्षेत्र के समस्त सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि विद्युत वितरण उपखण्ड भटटीपुर के अधीन 33/11 के0वी0 विद्युत उपसंस्थान, पथरी में conductor बदलने, Reconductoring तथा अनुरक्षण आदि का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। जिस कारण निम्नलिखित क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति आंशिक/पूर्णकालिक बाधित रहेगी। जिसका विवरण निम्नवत् है –

क्र. सं.	दिनांक	समय	33/11 के0वी0 विद्युत उपसंस्थान का नाम	11 के0वी0 पोषक का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	21.02.2025	पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक	33/11 के0वी0 उपसंस्थान, पथरी	पथरी	11 के0वी0 पथरी एवं धनपुरा पोषकों के अन्तर्गत आने वाले समस्त गांव एवं औद्योगिक इकाईयां।
2	22.02.2025			धनपुरा	
3	23.02.2025			पथरी	
4	24.02.2025			धनपुरा	
5	26.02.2025			पथरी	
6	26.02.2025			धनपुरा	
7	27.02.2025			पथरी	
8	28.02.2025			धनपुरा	

अतः सम्मानित उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे उक्त अवधि में पेयजल एवं विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था कर लें तथा विभाग को अपना सहयोग प्रदान करें।

कृपया बिल तिथि से 10 दिनों के भीतर बिजली बिल का ऑनलाइन भुगतान करें, ऑनलाइन भुगतान पर 1.5% की छूट और वर्तमान बिल राशि पर 100 रुपये तक के कर को जोड़कर सभी ऑनलाइन भुगतान पर 1% की छूट प्राप्त करें।

No:- 77/EE(CM)/UPCL/A-2 Dated: 19.02.2025 अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं0 1912) विद्युत बिलों के 24x7 ऑन लाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएँ (विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं0 1800 180 4185/फैक्स संख्या–0135–2760911 पर दें।)

शिकायत पर चकरोड से अतिक्रमण हटवाया

रुड़की। कोटवाल आलमपुर में एक व्यक्ति ने लंबे समय से चकरोड पर अतिक्रमण किया हुआ था। कई बार स्थानीय लोगों ने मामले की शिकायत संबंधित अधिकारियों से की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कुछ समय पहले ही लोक निर्माण विभाग ने चकरोड को बनाने का काम शुरू किया। उस दौरान अधिकारियों ने संबंधित व्यक्ति को चकरोड से अतिक्रमण हटाने को नोटिस जारी किया। इसके बावजूद उसने चकरोड से अतिक्रमण नहीं हटाया। मामले की शिकायत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से की गई। बुधवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आशीष कुमार मिश्रा टीम के साथ कोटवाल आलमपुर पहुंचे। उन्होंने अतिक्रमण को हटवाया और दोबारा ऐसा करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

रुड़की तहसील में विजिलेंस टीम की बड़ी कारवाई

दो हजार रुपये रिश्वत लेते कानूनगो गिरफ्तार

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। विजिलेंस की टीम ने चकबंदी कानूनगो को रिश्वत लेते पड़ा है फिलहाल लेखपाल से पूछताछ जा रही है सूत्रों के अनुसार कानूनगो ने दो हजार की रिश्वत ली थी। वही इस कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में अफरा तफरी मची रही।

जानकारी के अनुसार रुड़की तहसील चकबंदी में तैनात लेखपाल द्वारा किसी काम के लिए पैसे मांगे जाने की सूचना विजिलेंस को एक पीड़िता द्वारा दी गई थी। पीड़ित से बात करने के बाद विजिलेंस ने अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की और तय कार्रवाई के अनुसार आज जैसे ही उक्त पीड़ित ने कानूनगो को तहसीलदार भवन के बाहर पैसे दिए तो पहले से तैनात विजिलेंस की टीम ने कानूनगो को धर दबोचा। तुरंत उसे लेखपाल कक्ष में ले गई और पूछताछ शुरू कर दी। वहीं तहसील में हुई इस कार्रवाई के बाद अफरा तफरी मची रही। जहां अधिवक्ता उक्त कारवाई कक्ष के बाहर जुटे दिखाई दिए तो वहीं कर्मचारियों में भी चर्चाएं गर्म रही। कानूनगो का नाम कृष्णपाल बताया गया है और दो हजार रुपए लेते पकड़ा गया है। खबर लिखे जाने तक उससे पूछताछ जारी थी।

जौरासी में प्रतिबंधित मांस के साथ एक धरा-जौरासी गांव के एक मकान में गोकशी की सूचना पर बुध वार को पुलिस ने छापा मारा और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। साथ ही, 50 किलो प्रतिबंधित मांस बरामद किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जौरासी गांव में सुलेमान के मकान में गोकशी हो रही है। सूचना पर सिविल लाइंस कोतवाली के उप निरीक्षक चंद्रमोहन सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मकान पर छापा मारा। एक युवक को पकड़ लिया जबकि उसकी पत्नी फरार हो गई।पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सुलेमान निवासी जौरासी बताया।

छात्राओं को ऑनलाइन शिक्षा की जानकारी दी

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। एसएसडीपीसी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में एसडब्ल्यूएवाईएएम प्लेटफॉर्म पर बुधवार को एमओओसी पाठ्यक्रमों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं को ऑनलाइन शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों से भी अवगत कराया गया।

जानकारी के अनुसार एसएसडीपीसी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में एमओओसी पाठ्यक्रमों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से आईआईटी रुड़की के शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र के सहयोग से एसडब्ल्यूएवाईएएम प्लेटफॉर्म पर एमओओसी पाठ्यक्रमों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ भारती शर्मा ने वर्तमान में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन के रूप में आईआईटी समन्वयक श्रुति भारद्वाज ने एसडब्ल्यूएवाईएएम प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ अनुपमा गर्ग ने ट्रेनिंग सेशन की सराहना की। साथ ही एसडब्ल्यूएवाईएएम प्लेटफार्म का परिचय व लाभ बताया। उन्होंने एमओओसी पाठ्यक्रमों की विशेषताएं और उनके लिए पंजीकरण प्रक्रिया, क्रेडिट ट्रांसफर और प्रमाणन की जानकारी दी। इस मौके पर अंजली प्रसाद, हिमांशी, काजल व मिस अंशुल आदि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब रुड़की सेंट्रल ने गोद लिये

सरकारी प्राथमिक विद्यालय को कंप्यूटर किया समर्पित

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। रोटरी क्लब रुड़की सेंट्रल ने रोटरी वर्ष 2022-23 में गोद लिए हैप्पी स्कूल परियोजना के तहत सरकारी प्राथमिक विद्यालय बेलड़ा में रो. डॉ अचल मित्तल के अथक प्रयासों से मिले कंप्यूटर को समर्पित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

पूर्व में भी इस विद्यालय में दो कक्ष का निर्माण एव इसी रोटरी वर्ष नवंबर माह में बच्चो को स्वच्छ पानी के लिए वाटर कूलर लगवाया गया था। इस अवसर पर रोटरी क्लब के पूर्व अस्सिटेंट गवर्नर एवं प्रोजेक्ट चेयरमैन रो डॉ अचल मित्तल ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना है, ताकि वे तकनीक के माध्यम से नए अवसरों का लाभ उठा सकें। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने रोटरी क्लब रुड़की सेंट्रल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल छात्रों के लिए डिजिटल शिक्षा को सुलभ बनाएगी और उनके ज्ञानवर्धन में सहायक होगी। इस अवसर पर विद्यार्थीओ ने विद्यालय के प्रांगण में रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति किए। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के अध्यक्ष रो सौमेन कर्माकर, सचिव रो राधेयाम गुप्ता एवं पदाधिकारी एवं सदस्य गण, विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक एवं स्थानीय व्यक्ति उपस्थित रहे।

वहीं दूसरी ओर सैनिक कॉलोनी गली नंबर एक में बुध वार को राज्यसभा सांसद कल्पना सैनी ने एक हाई मास्ट स्ट्रीट लाइट लगवाई गई है। बुधवार देर शाम इस लाइट को चालू किया गया। जिसके बाद से यह कॉलोनी रोशनी से जगमग हो गई है। सैनिक कॉलोनी समिति के व्यवस्थापक प्रेम प्रकाश कोटनाला ने कॉलोनीवासियों की ओर से कल्पना सैनी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हाई मास्ट स्ट्रीट लाइट लग जाने से क्षेत्रवासियों को एक बड़ी राहत मिली है।

उमेश कुमार के स्वास्थ्य लाभ की कामना के बाद बोले चौंपियन आभार, हम शत्रु का करते हैं सम्मान

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। विधानसभा सत्र के दौरान खानपुर विधायक उमेश कुमार द्वारा चौम्पियन की स्वास्थ्य लाभ की कामना के बाद अब चौंपियन ने उमेश कुमार का आभार जताया है साथ ही कहा है कि हम शत्रु का सम्मान करते हैं।

खानपुर विधायक उमेश कुमार और कुंवर प्रणव सिंह के बीच हुए विवाद के बाद कुंवर प्रणव सिंह 27 जनवरी से रोशनाबाद जेल में हैं चार दिन पूर्व उनकी तबियत बिगड़ी तो उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर किया। हालांकि चौंपियन हायर सेंटर के आधे रास्ते से वापस आए और जिला अस्पताल में भर्ती हो गए। वहीं बीते रोज विधानसभा सत्र के दौरान उमेश कुमार ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए चौंपियन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी जिसके बाद अब कुंवर प्रणव सिंह के फेसबुक पेज से उनका भी जवाब आया है।

पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह ने अपनी फेसबुक पर लिखा है...बदलते वक्त के पैगाम आने लगे, देखो मेरे नीम पे आम आने लगे, जो करते नहीं थे मुसाफा सरेराह, अब उनके बाअदब सलाम आने लगे।

मित्रों ज्ञात हुआ कि उमेश कुमार ने सार्वजनिक तौर पर , हमारी रुग्णावस्था पर , ईश्वर से हमारे शीघ्र स्वास्थ्य एवं दीर्घायु होने की कामना की है हम निजी तौर पर उनका आभार प्रकट करते हैं, शिष्टाचार प्रकट कर मंगलकामना करने हेतु देखिए हम क्षत्रिय हैं जो कायदे के तथ्य पर शत्रु का भी सम्मान करते हैं जब राजा पोरस को सिकंदर ने पराजित किया और दरबार में पेश होने पर उनसे सवाल किया कि , ष्आपके साथ कैसा बर्ताव किया जाएष् तब पोरस ने सिकंदर से कहा ष्जैसा एक राजा दूसरे राजा के साथ करता हैष् हम प्राचीन गौरवशाली लंढौरा रियासत के ष्वीर गुर्जरष् समाज के वंशज हैं जहां हमारे शौर्यवान पूर्वजों द्वारा 36 कौम का सदैव सम्मान व भागीदारी किया जाता रहा है आज भी आपकी लंढौरा रियासत के प्राचीन गौरव की गवाही देता वह प्रतीक-चिन्ह, रंग महल सम्मानित 36 कौम की धरोहर के रूप में विद्यमान है जिसके हम ट्रस्टी मात्र हैं, स्वामी नहीं। अत: अपनी धरोहर के मान सम्मान विषयक जो निर्णय सम्मानित 36 कौम के आदरणीय वंशज करेंगे, वह अक्षरश: हमें स्वीकार्य होगा। हमारी ओर से कोई भी किसी किस्म का हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा क्योंकि यह समाज का विषय है कोई व्यक्तिगत नहीं।

झबरेड़ा की समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री से मिले विधायक जाती

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। क्षेत्र के कई विकास कार्यों को लेकर झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाति ने मुख्यमंत्री से भेंट की। मुख्यमंत्री ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए कार्यों को जल्द शुरू करवाने का आश्वासन दिया।

देहरादून में आयोजित बजट सत्र के दौरान झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाति ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर कस्बे में रोडवेज बस स्टैंड,मिनी स्टेडियम फायर स्टेशन,मुख्य सड़को का उच्चीकरण,विद्यालयों का उच्चीकरण खाताखेड़ी से सलेमपुर रुड़की,आसफनगर से कोटवाल आलमपुर नहर पटरी आदि की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री से हर मुद्दे पर मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की वहीं मुख्यमंत्री द्वारा उपरोक्त कार्यो हेतु सकारात्मकता जाहिर की गयी।

वहीं दूसरी ओर उर्जा निगम की लक्सर डिविजन की तरफ से भट्टीपुर उप संस्थान पर उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर लगाया गया। शिविर में कुल 61 शिकायतें आई, जिसमें 34 को मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शिविर के दौरान करीब डेढ़ लाख रुपये के बकाया बिलों की वसूली भी की गई।

महाविद्यालय में क्रीड़ा महोत्सव व पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। राजकीय महाविद्यालय मंगलौर हरिद्वार में क्रीड़ा विभाग के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यकर्मों के साथ वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव व पारितोषिक वितरण समारोह-2024-25 का शुभारंभ हुआ राजकीय महाविद्यालय मंगलौर के क्रीड़ा विभाग के क्रीड़ा प्रभारी डॉ० भरोसे ने इस क्रीड़ा महोत्सव के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर प्रेमलता कुमारी की अध्यक्षता में हुआ। आज के इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंगलौर पालिका के अध्यक्ष मोइनुद्दीन अंसारी रहे। विशिष्ट अतिथि में राजकीय महाविद्यालय चुड़ियाला के प्राचार्य प्रो० राम अवतार सिंह उपस्थित रहें। क्रीड़ा महोत्सव की शुरुआत अतिथियों के समक्ष मार्चपास्ट से हुई इसके बाद दीप प्रज्वलन हुआ तत्पश्चात छात्रों द्वारा ईश वंदना हुई। ईश वंदना के उपरांत स्वागत गीत व सामूहिक नृत्य के साथ अपनी संस्कृतियों को बरकरार रखा गया। अतिथियों को बेज पहना कर सम्मानित किया गया और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए इसी दौरान विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित अंतरमहाविद्यलयी क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के छात्र आस मोहम्मद चतुर्थ सेम और छात्रा काजल द्वितीय सेम को कांस्य पदक जीतने पर सम्मानित किया गया। 38 व राष्ट्रीय खेलो में स्वयंसेवी के रूप में 28 दिवस निरंतर कार्यरत रहने के लिए अजीत और चुने जाने पर अमित, रोहित, प्रिया व भारती को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा बेडमिंटन के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि ष्रणनीति, ताकत और आत्मविश्वास ही हर खेल को जीतने का मुख्य कारक हैष। इसके बाद वॉलीबाल के मैच के साथ के साथ आज के खेलो की शुरुआत की गई। जिसमें द्वितीय सेम व षष्टम् सेम की टीमों के बीच मैच खेला गया और परिणाम स्वरूप द्वितीय सेम के छात्रों ने कप्तान समरेज हैदर के सानिध्य में विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की।वॉलीबॉल के मैच के पश्चात बालक बालिकाओं के क्रमश: भाला प्रक्षेप, गोला फेंक और चक्का फेंक की प्रतियोगिताएं करवाई गई। रस्सा कूद की प्रतियोगिता भी करवाई गई। इन सभी प्रतियोगिताओं के साथ साथ कैरम को भी फाइनल किया गया और सभी विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ पूर्ण किया गया और सभी स्वयंसेवियों ने कार्यक्रम में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिस कारणवश कार्यक्रम का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। अंत में प्राचार्य के द्वारा सभी प्रतिभागियों व विजेताओं को शुभकामनाएं दी गई।

पेट में गोली मारने वाले चार आरोपियों के खिलाफ केस

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। चार आरोपियों ने एक युवक को अपने घर बुलाकर उसके पेट में गोली मार दी। पेट में गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। चिकित्सकों ने युवक की हालत को गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर किया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो नामजद व दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की धरपकड़ के प्रयास शुरू कर दिए हैं। संदीप कुमार निवासी ऊंचा गांव थाना देवबंद सहारनपुर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 6 फरवरी को उसके पुत्र दीक्षांत चौधरी को नारसन के चार युवकों ने अपने घर बुला लिया। इसके बाद आरोपियों ने देशी तमंचे से उसके पेट में गोली मार दी। पेट में गोली लगने से दीक्षांत गंभीर रूप से घायल हो गया था। युवक को आरोपियों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारसन में भर्ती कराया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। चिकित्सकों द्वारा मामले की जानकारी पीड़ित के पिता को दी गई। इसके बाद चिकित्सकों द्वारा युवक की हालत को गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया, जहां पर युवक का उपचार चल रहा है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वहीं पुलिस ने बुधवार को क्षेत्र निवासी एक युवक की गुमशुदगी दर्ज की है। ग्राम भिशतीपुर निवासी गौरव ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसका 22 वर्षीय भाई अक्षय इसी 17 फरवरी को घर से बिना बताए कहीं चला गया था। तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है।

लोजमो को सफाई मजदूर कर्मचारियों का समर्थन

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। लोकतांत्रिक जनमोर्चा रुड़की के रुड़की जिला बनाओ के 23 फरवरी को होने वाले विशाल धरना प्रदर्शन को सफल बनाने को लेकर समाज के अलग-अलग वर्गों के लोगों का समर्थन मिल रहा है।

लोजमो संयोजक सुभाष सैनी रुड़की जिले के मुद्दे पर समर्थन लेने के लिए आज नगर निगम में सफाई मजदूर कर्मचारियों के बीच पहुंचे जहां संगठन के पदाधिकारियों ने 23 फरवरी को रुड़की में होने वाले लोजमो के विशाल धरना प्रदर्शन में भारी संख्या में हिस्सा लेने पर हाथ उठाकर सहमति जताई। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस रुड़की के शाखा अध्यक्ष सनाती बिरला ने लोजमो संयोजक सुभाष सैनी को भरोसा दिलाया कि उनका संगठन रुड़की जिला बनाओ के मुद्दे पर तन मन धन से उनके साथ है और 23 फरवरी को होने वाले विशाल धरना प्रदर्शन में संगठन से जुड़ा हर सदस्य बढ़ चढ़कर हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि रुड़की जिला बनने पर ही क्षेत्र का चहुंमुखी विकास होगा।लोजमो संयोजक सुभाष सैनी ने इस मौके पर अध्यक्ष सनाती बिरला सहित युवा नेता अमित तलवार, सफाई कर्मचारी नेता रवि चौटाला, गोपाल हवलदार, श्रीमती मीनू , राहुल, पारस, बिजेंदर बौहत, तुषार, मेटरु, सावन, मनीष, सोनू, मांगेराम सहित समर्थन देने वाले सभी सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

शादी का झांसा देकर युवती से बनाया संबंध

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। युवती ने एक व्यक्ति पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि आरोपी ने युवती के परिजनों के साथ मारपीट भी की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। उत्तर प्रदेश के एक गांव निवासी परिवार भगवानपुर क्षेत्र के एक गांव में रहकर अपना जीवन यापन कर रहा है। परिवार की एक युवती ने तहरीर देते हुए एक युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए जाने तथा घर में घुसकर परिजनों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नासिर निवासी गजरपुर थाना झिझाना जनपद शामली व हाल निवासी सिसौना थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए जाने से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। जबकि आरोपी के परिवार के अन्य सदस्य समीर, नसरीन, शहजाद व एक अन्य के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वहीं नरोजपुर में जमीन की रंजिश को लेकर कुछ लोगों ने बुजुर्ग महिला के घर में घुसकर उससे मारपीट की। उसे बचाने की कोशिश में उसकी तीन बेटियों को भी चोट लगी हैं। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर कोतवाली पुलिस आठ लोगों पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन कर रही है। कोतवाल राजीव रौथाण ने बताया कि पीड़ित जीनत पुत्री शराफत की तहरीर पर आरोपी बाबर, सागर, सुभान, गुफरान, फिरोज व अरशद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

डायनेस्टी में धूमधाम से मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म खटीमा में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर हुए कार्यक्रम का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज की वीर गाथाओं के गुणगान व उनकी प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से संबंधित अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने शिवाजी महाराज के जीवन से संबंधित भावों को कविता, नृत्य आदि के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए उनके द्वारा दिए गए बलिदान के विषय में विस्तार पूर्वक समझाया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जब लक्ष्य जीतने का हो तो उसे प्राप्त करने के लिए कितना भी परिश्रम, कोई भी मूल्य ,क्यों न हो उसे चुकाना ही पड़ता है।" यह पंक्ति छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से संबंधित है।"कोई भी कार्य करने से पहले उसका परिणाम सोच लेना हितकर होता है, हमारी आने वाली पीढ़ी उसी का अनुसरण करती है। साथ ही उन्होंने कहा कि सत्य का मार्ग ही आपको साहसी बनाता है। निरंतर प्रयास करते रहें और अपने लक्ष्य को पूर्ण करें। उन्होंने विद्यार्थियों को शिवाजी महाराज के चरित्र से अनुसरण करने को कहे।

वहीं श्री गुरुद्वारा सिंह सभा में बुधवार को सिटी ब्लड सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें 32 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष दलबीर सिंह बल, महासचिव गुरप्रीत सिंह दओल, कोषाध्यक्ष सुखबीर सिंह बेदी, मुख्य ग्रंथी बाबा गुरदेव सिंह बाबा, गुरमुख सिंह, सेवादार बलविंदर सिंह ने किया। पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति प्रत्येक तीन माह में एक बार रक्तदान कर सकता है।

वन कर्मियों का धरना तीसरे दिन भी रहा जारी

रुद्रपुर। वन विभाग के वन बीट अधिकारी-वन आरक्षी संघ के कर्मचारियों का चार सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीओ कार्यालय पर धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। मंगलवार को खटीमा, सुरई, किलपुरा, दक्षिणी जौलासार, रनसाली व हल्द्वानी वन प्रभाग की शारदा रेंज के कर्मचारियों ने पीलीभीत रोड स्थित एसडीओ कार्यालय परिसर में अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। धरने पर बैठने वालों में मुकेश कुमार तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी, राकेश शाह, अरविंदर सिंह कुमारी नाजिश, सुखविंदर सिंह रेखा, पूजा, सरिता, सोनी, भावना, प्रीति, गणेश पलड़िया, संजीव कुमार, योगेश गिरी, हीरा बल्लभ, जीत प्रकाश, भगत मेहरा, गंगाराम आदि मौजूद है।

लोक संस्कृति की प्रस्तुति के साथ एनएसएस शिविर शुरू

रुद्रपुर। पुष्पा प्रियंका सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कालेज की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर सरस्वती शिशु मन्दिर नगला में बुधवार को शुरू हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा ने दीप जलाकर शिविर का शुभारम्भ किया। एनएसएस के स्वयंसेवियों ने कुमाऊंनी, गढ़वाली, पंजाबी, थारू संस्कृति पर आधारित लोक नृत्य प्रस्तुत किये। नशा उन्मूलन तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर स्वयंसेवियों ने नाटक प्रस्तुत किये गये। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा ने आगामी सात दिनों तक समाज में जन जागरुकता बढ़ाने के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विद्या भारती के कुमाऊं संभाग के पूर्व निरीक्षक जगदीश चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि एनएसएस शिविर से स्वयंसेवकों में चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास व सामाजिक विकास की भावना बलवती होती है। प्रधानाचार्य मदन सिंह जलाल ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरों से विद्यार्थियों के जीवन में काफी सकारात्मक बदलाव आते हैं। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविका राधा जोशी ने किया। कार्यक्रम अधिकारी संजय गहतोड़ी ने आगामी सात दिनों की रूपरेखा सभी के सामने रखी। यहां शिशु मंदिर नगला के प्रधानाचार्य महेन्द्र सिंह जलाल, हरिओम सिंह राणा, विरेन्द्र बिष्ट, अम्बुलता, प्रमोद राणा मौजूद रहे।

खटीमा महा विद्यालय में स्टार्टअप कार्यशाला 24 से होगी शुरू

रुद्रपुर। खटीमा महाविद्यालय में 24 एवं 25 फरवरी को उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के तत्वावधान में दो दिवसीय स्टार्टअप कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

इस संबंध में देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ. हरेंद्र मोहन सिंह ने बताया कि विगत वर्ष इसी कार्यशाला से चयनित छात्र राहुल सिंह मेहरा को उत्तराखण्ड सरकार द्वारा75000 की स्टार्टअप प्रोत्साहन राशि भी मिली हैं। क्षेत्र के सभी इच्छुक युवा अपने स्टार्टअप मॉडल के साथ इस कार्यशाला में नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन कर भागीदारी कर सकते हैं।

तेंदुए ने आँगन में खेल रहे 6 वर्षीय बच्चे को किया घायल

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। भैसियाछाना विकासखंड के तल्ला शेराघाट क्षेत्र में तेंदुए का आतंक बना हुआ है। मंगलवार शाम को तेंदुए ने घर के आंगन में खेल रहे एक बच्चे को घायल कर दिया। ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब 6 बजे तल्ला शेराघाट के उमेर गांव में पुष्कर राम का 6 वर्षीय बेटा दीपांशु परिवार के अन्य बच्चों के साथ घर के आंगन में खेल रहा था। तभी घात लगाए गुलदार ने उस पर झपट्टा मार दिया। पास ही बच्चे की मां और दादाजी बैठे हुए थे उनके शोर मचाने पर तेंदुआ बच्चे को घायल करके जंगल की तरफ भाग गया। परिजन घायल दीपांशु को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शेराघाट लाए जहां बच्चे का इलाज किया जा रहा है। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ पिछले कई दिनों से गांव के आसपास ही घूम रहा है तथा आए दिन शाम होते ही दिखाई देने लगता है। पिछले एक पखवाड़े से तेंदुआ ग्रामीणों के कई मवेशियों को अपना निवाला बना चुका है। क्षेत्र पंचायत सदस्य नवीन दुर्गापाल ने वन विभाग से शीघ्र गांव में पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़कर ग्रामीणों को दहशत से मुक्ति दिलाने की मांग की है।

एसटीएच की जांच दर बढ़ने से आधे हो गए अल्ट्रासाउंड-एक्स-रे

संवाद सहयोगी

पिथौरागढ़। एसटीएच की जांच दरों के दाम बढ़ने का असर जांचों पर पड़ रहा है। रेडियोलॉजी की जांच कराने वालों की संख्या आधी हो गई है। एसटीएच में इसी माह से रेडियोलॉजी के दाम 3 से पांच गुना तक बढ़ चुके हैं। पहले जहां अल्ट्रासाउंड के लिए लंबी लाइन लगी रहती थीं उसके मरीज आधे हो गए हैं। एसटीएच में जहां रोज करीब 60 अल्ट्रासाउंड हुआ करते थे, अब उनकी संख्या 30-35 पहुंच गई है। एक्स-रे जहां रोज 450 से ज्यादा होते थे उनकी संख्या भी 275 के आसपास तक पहुंच गई है। शरीर में गांठ होने पर उसमें डॉक्टर कैंसर का शक जताते हैं। इसकी रेडियोलॉजी में जांच की जाता है, जिसे एफएनएसी कहते हैं। यह जांच पहले 300 रुपये में होती थी अब यह जांच 1800 रुपये में हो रही है। पहले 2 से 3 मरीज जांच के लिए आते थे। अब हफ्ते में 1-2 मरीज जांच के लिए पहुंच रहे हैं।

पेट का सीटी स्कैन 5 हजार का-पेट में दिक्कत आने पर डॉक्टर कई बार मरीज को पेट का रंगीन सीटी स्कैन करने को कहते थे। ताकि पेट की छोटी से छोटी दिक्कत आसानी से पकड़ में आ जाए। पहले पेट का रंगीन सीटी (सीटी एबडोमेन) 1000 का होता था वह अब 5175 का होता है। इस जांच के लिए भी मरीजों ने अस्पताल का रुख करना कम कर दिया है।

इस लिए घट गए मरीज-एसटीएच में रेडियोलॉजी विभाग में होने वाली अधिकतर जांचों के दाम बाजार के बराबर हो गए हैं। भेले ही वह अल्ट्रासाउंड, सीटी हो या फिर एक्स-रे। ऐसे में मरीज एसटीएच में लंबी लाइन लगाने से बेहतर बाजार से ही जांचों को करना पसंद कर रहे हैं। एसटीएच में जांचों के दाम निर्धारित होने के चलते कोई रियायत मिलने की उम्मीद नहीं होती है जबकि प्राइवेट में जान पहचान होने पर कई बार जांचों में रियायत भी मिल जाती है।

पूर्व सैनिकों ने सेकेंड कुमाऊं का 246 वां स्थापना दिवस मनाया

रुद्रपुर। पूर्व सैनिकों ने सेंकड कुमाऊं का 246 वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष गंभीर सिंह धामी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने सेंकेंड कुमाऊं के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला और युद्ध के दौरान शहीद हुए वीर सैनिकों को याद कर श्रद्धांजलि दी। यहां कुमाऊं संस्कृति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर बहादुर सिंह पोखरिया, हवलदार लक्ष्मण सिंह, सुबेदार नरेंद्र सिंह, गोपाल सिंह, संजय गहतोड़ी, कुंदन कन्याल, ललित सिंह, पुष्कर सिंह, भूपेंद्र सिंह, मोहन सिंह, किशोर सिंह, दीवान सिंह, दीपक चंद, विक्रम सिंह, इंदर सिंह, रमेश चंद, श्रीकृष्ण राणा, भवान सिंह आदि रहे।

आयुर्वेद पद्धति को अपनाकर बीमारियों से हो सकते हैं मुक्त

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। 57 बटालियन एसएसबी परिसर में बुधवार को आयुर्वेद पद्धति से रोगमुक्त रहने व बीमारियों के इलाज की जानकारी विशेषज्ञ आयुर्वेद चिकित्सकों ने दी। कार्यवाहक कमांडेंट मनोज कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी डॉ. बीबी सिंह ने वाहिनी परिसर में बल कर्मियों एवं संदिक्षा सदस्यों को आयुर्वेद के बारे में बताया। श्री विश्व प्रांगण आयुर्वेद चिकित्सालय, हल्द्वानी के मुख्य चिकित्सक डॉ. राहुल गुप्ता ने कहा कि आयुर्वेद को अपने दैनिक जीवन में अपनाने से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है। इससे स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। सुबह गुनगुना पानी पीना, घरेलू मसाले और सात्विक आहार लेने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। योग, ध्यान और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जैसे अश्वगंधा मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं। आयुर्वेदिक तेल मालिश और हर्बल उपाय त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं। ऋतुचर्या और दिनचर्या के अनुसार जीवन जीने से शरीर स्वस्थ और मजबूत बना रहता है। कहा कि मनुष्य आयुर्वेद पद्धति को अपनाकर बीमारियों से मुक्त हो सकता है। इस दौरान उप कमांडेंट अनिल कुमार यादव, निरीक्षक प्रकाश चन्द्र जोशी, सहायक उप निरीक्षक महिपाल सिंह मौजूद रहे।

प्लाट बेचने का झांसा देकर धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। ता। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने प्लाट बेचने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने के आरोपी पर केस दर्ज किया है। नरेन्द्र सिंह रौतेला पुत्र गिरधर प्रकाश सिंह रौतेला निवासी आबकारी रानीखेत ने सिविल जज के यहां प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसने प्रेम सिंह पुत्र जगत सिंह निवासी किशनपुर वार्ड 3 किच्छा हाल निवासी लाजपत नगर साहिबाबाद गाजियाबाद से एक प्लाट चालीस लाख पचास हजार रुपये में खरीदा था और एडवांस में 15 लाख रुपये का चेक दिया था। आरोप है कि नरेंद्र ने कई बार प्रेम सिंह से शेष रकम लेकर रजिस्ट्री बैनामा करने के लिये कहा। लेकिन वह बहाने बनाकर टालता रहा। इस संबंध में नरेंद्र ने प्रेम को 21 अगस्त 2024 को नोटिस भी दिया। जिसके बाद में नरेंद्र को पता चला कि प्रेम ने प्लाट की रजिस्ट्री बीती 22 मई 2022 को नैना जोशी और त्रिलोक जोशी के नाम कर दी है। नरेंद्र ने प्रेम सिंह के पास जाकर एग्रीमेंट के मुताबिक रुपये हर्जे खर्च के रुपये लौटाने को कहा। तब प्रेम ने भरोसा दिया कि वह पूरी रकम या इसके एवज में अन्य भूमि नरेंद्र के नाम कर देगा। नरेंद्र के अपने रुपये मांगने पर प्रेम आग बबूला होकर गाली गलौच करने लगा और जान से मारने की धमकी देते हुए रुपये देने को मना कर दिया। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

वहीं डीडीहाट पुलिस ने कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा। बुधवार को थानाध्यक्ष हरीश सिंह के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान हरीश सिंह कन्याल के पास से पुलिस को पांच लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने संबंधित के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

साइबर सुरक्षा एवं साइबर क्राइम पर जागरूक किया

रुद्रपुर। थारू राजकीय इंटर कॉलेज में बुधवार को साइबर सुरक्षा एवं साइबर क्राइम डिजिटल अरेस्ट की जानकारी देकर जागरूक किया गया। पैनल अधिवक्ता एवं विधिक कार्यकर्ता इलियास सिद्दीकी, विमलेश शर्मा, चंचल सिंह, स्नेहा प्रभा, शहाना कुरैशी, ममता शर्मा ने साइबर क्राइम कैसे होता है और उससे कैसे बचना चाहिए, इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही डिजिटल अरेस्ट के बारे में विस्तार से बताया। अधि वक्ताओं ने अपराधियों के डिजिटल अपराध करने के नए-नए तरीकों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रविंद्र कटियार और संचालन पीएलवी विमल कुमार ने किया। इस दौरान आरबी सिंह, प्रभु दयाल, लाल सिंह आदि रहे।

जंगलों में लगने लगी आग, आंदोलन पर डटे हैं वन बीट अधिकारी

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। बीते सात दिनों से वन बीट अधिकारी अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर वन प्रभाग कार्यालय में धरना दे रहे हैं किंतु उनकी मांगों पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है जिससे वन बीट अधिकारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उधर, कार्यबहिष्कार के चलते अब जंगलों में आग लगने का सिलसिला शुरू हो गया है। बुधवार को भी सुबह वन बीट अधिकारी डीएफओ कार्यालय परिसर में एकत्र हुए जहां उन्होंने अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना दिया। सातवें दिन भी धरना देते हुए उन्होंने शीघ्र कार्यवाही न होने प उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी। सभा को संबोधित करते हुए वन बीट अधिकारियों ने कहा कि जब तक पांच सूत्रीय मांगों पर कार्यवाही नहीं हो जाती, हड़ताल जारी रहेगी। उत्तराखंड अधीनस्थ वन सेवा नियमावली 2016 को पुन: लागू किया जाए, जबकि तीन वित्तीय वर्षों में दस वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी कर चुके वन आरक्षियों को पदोन्नति देने, वन आरक्षियों की वर्दी नियमों में संशोधन करने, एक माह का अतिरिक्त वेतन व आहार भत्ता देने, वन आरक्षी चौकियों का मकान भत्ता कटौती नहीं करने की मांग की जा रही है। मांगों को लेकर बार-बार आश्वासन के बाद भी कार्यवाही नहीं की जा रही है। पांच सूत्रीय मांगों को लेकर शासन से बीते 14 फरवरी को संगठन के पदाधिकारियों के साथ वार्ता हुई थी। जबकि शासन द्वारा मौखिक आश्वासन दिया गया था। संगठन ने निर्णय लिया है कि जब तक लिखित आश्वासन या शासनादेश जारी नहीं होता, तब तक धरना व कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। वन बीट अधिकारियों के कार्य बहिष्कार के चलते फायर सीजन से पहले ही जंगलों में वनाग्नि की घटनाएं होने लगी है। साथ ही फायर सीजन के पहले चरण में वनाग्नि के बारे में भी जानकारी नहीं मिल पा रही है। हड़ताल पर बैठे कर्मियों के कारण विभागीय कामकाज भी प्रभावित हो रहे हैं। विशेष रूप से वनाग्नि की घटनाओं से निपटने में विभाग को भी मुश्किलें आने लगी है। धरना देने वालों में वन बीट अधिकारी आशुतोष पुरोहित, प्रियांशु भंडारी, विद्या रावत, हीरा राणा, गौरव पुरोहित, अजय सेमववाल, प्रियांशु भंडारी, अजय सेमवाल, कुलजीत सिंह, पूनम आदि मौजूद थे।

सफाई कर्मचारी संघ ने मेयर-पार्षदों का किया सम्मान

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। नगर निगम बोर्ड के बाद मंगलवार को देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ ने नवनिर्वाचित मेयर विकास शर्मा और पार्षदों को सम्मानित किया। यहां पर सफाई कर्मचारियों ने मेयर के समक्ष कुछ मांगें भी रखी है।

मंगलवार को देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मेयर से 200 नये कर्मचारियों की भर्ती करने, कर्मचारियों को सरकारी आवास की सुविधा देने, सफाई सुपरवाइजरों को प्रतिमाह मिलने वाला तेल का खर्च 400 से बढ़ाकर 1000 करने संविदा कर्मियों को स्थाई नियुक्ति प्रदान करने और आउटसोर्स कर्मियों का दैनिक मानदेय 500 से बढ़ाकर 800 रुपये करने की प्रमुख मांगे रखीं। वहीं मेयर ने सुपरवाइजरों को दिया जाने वाला तेल का खर्च जल्द बढ़ाने की घोषणा की है। मेयर ने उनकी अन्य सभी मांगों को लेकर शासन स्तर पर प्रयास करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान उत्तराखंड देवभूमि सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष मुकेश राजौरिया, महामंत्री सोनू मुल्तानी, जिला सचिव सुनील, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण चौहान, जिला उपाध्यक्ष रंजीत, अजय, गोविंदा, विक्की, अंकित, मनोज, सन्नी, मुकेश, जिया लाल, विलियम, कालीचरण, मंगत राम, राजपाल, विजया, प्रकाश देवी, मुन्नी देवी आदि पर्यावरण मित्र मौजूद थे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं सम्पादक **एम हसीन** द्वारा परम नागरिक प्रकाशन, 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) के लिए ए के प्रिंटर्स खान मार्केट शहाबुद्दीनपुर रोड लद्धावाला, मुजरफ्फरनगर से मुद्रित एवं 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित। सम्पर्क : 9997178556 ई-मेल : paramnagrik2013@gmail.com, hasin.m1@gmail.com
सभी वादों का न्याय क्षेत्र रुड़की ही मान्य होगा। प्रकाशित समाचार सामग्री का प्रेस से कोई सम्बंध नहीं है।

बोर्ड परीक्षा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी लापरवाही

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अधिकारियों की बैठक लेते हुए परीक्षा को पारदर्शिता एवं निर्विघ्न संपन्न कराने के निर्देश दिए। कहा कि बोर्ड परीक्षा में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। 21 फरवरी से शुरू होने वाली हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में टिहरी जिले के 15 हजार 881 छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। बुधवार को डायट में आयोजित बैठक में डीएम मयूर दीक्षित ने कहा कि प्रश्न पत्रों को सुरक्षित और गोपनीयता को बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी केंद्र व्यवस्थापकों की है। उन्होंने परीक्षा के लिए कंट्रोल रूम को एक्टिव करने, सभी कर्मियों का मोबाइल फोन ऑन रखने, छात्रों की सघनता से पहचान करने और गाइडलाइन के अनुसार परीक्षाएं संपादित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सुरक्षा के दृष्टिगत एएसपी जेआर जोशी को अपने स्तर से परीक्षा केंद्रों की परिधि को चेक कर कार्यवाही करने को कहा। जिला युवा कल्याण अधिकारी पंकज तिवारी को आवश्यकतानुसार पीआरडी जवानों को तैनात करने के निर्देश दिए। सीईओ एसपी सेमवाल ने बताया कि परिषदीय परीक्षाएं 21 फरवरी से 11 मार्च तक आयोजित की जाएगी। परीक्षाओं के लिए 135 परीक्षा केंद्र बनाए हैं। जिसमें एक एकल और 134 मिश्रित केंद्र हैं। कुल 15 हजार 881 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। जिनमें 8084 छात्र और 7797 छात्राएं हैं। हाईस्कूल में कुल 7864 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं जिनमें 4021 छात्र और 3843 छात्राएं। जबकि इंटर में कुल 8017 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं, इनमें 4063 छात्र और 3954 छात्राएं शामिल हैं। बताया कि कंट्रोल रूम प्रभारी शरद अग्रवाल को बनाया है, जिन्हें 9410554775 मोबाइल नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। इस मौके पर डीईओ माध्यमिक वीपी सिंह, प्रभारी प्राचार्य डायट दीपक रतूड़ी, बीईओ घनसाली सुमेर सिंह, देवप्रयाग भास्कर बेबनी, चंबा नरेश कुमार हल्दयानी आदि मौजूद थे।

वहीं शिक्षित बेरोजगारों ने एक वर्ष बाद भी बीआरपी और सीआरपी के पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण न होने पर रोष व्यक्त किया। कहा कि सरकार ने इन पदों के लिए सेवा योजन विभाग के रोजगार प्रयाग पोर्टल के माध्यम से आवेदन मांगे थे। लेकिन अभी तक भर्ती परिणाम जारी नहीं किया गया है। जिसके चलते बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल पाया है। आवेदन करने वाले आशीष, पंकज, सागर, रोहित, कन्हैया, सृष्टि, पृथ्वी, निधि, मोहित, केशव ने बताया कि प्रदेश में पिछले सात वर्षों से बीआरपी व सीआरपी की भर्ती नहीं हो पाई है। पिछले वर्ष जुलाई में 16 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। लेकिन भर्ती अधर में लटकी है। आवेदन लगातार भर्ती प्रक्रिया का परिणाम जारी करने के लिए मंत्री से लेकर अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं। बावजूद उन्हें निराशा की हाथ लग रही है। बताया कि बेरोजगारों को उम्मीद थी कि सरकार बीआरपी और सीआरपी की भर्ती कर उन्हें रोजगार देगी। लेकिन सरकार ने भर्ती प्रक्रिया का अधर में लटका दिया है।

मीना का असिस्टेंट प्रोफेसर में चयन हुआ

पिथौरागढ। नगर के सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की पूर्व छात्रा डॉ. मीना उपाध्याय का उच्च शिक्षा विभाग में सहायक प्राध्यापक (असिस्टेंट प्रोफेसर) पद पर हुआ है। इससे विद्यालय में खुशी का माहौल है।

प्रधानाचार्य रेखा जोशी ने बताया कि बचपन से मैधावी मीना ने चार बार इतिहास विषय से यूजीसी नेट परीक्षा पास की और फिर पीएचडी कर डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की। उन्होंने बताया कि विद्यालय के छात्र-छात्राएं लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

पिकअप से 20 पेटी अवैध शराब बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। सल्ट थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 20 पेटी अवैध शराब बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरामद शराब की कीमत 81,600 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन को भी सीज कर दिया है। थानाध्यक्ष सल्ट प्रमोद पाठक के निर्देशन में एसआई धरम सिंह व पुलिस टीम द्वारा मरचूला चेक पोस्ट पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान एक पिकअप वाहन संख्या यूके 19-सीए-1224 को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 10 गत्ते की पेटियों में 120 बोतल और 10 गत्ते की पेटियों में 480 क्वार्टर बोतल देशी मसालेदार शराब (बाजपुर गुलाब माल्टा) बरामद हुई। वाहन चला रहे राकेश चंद्र (27) पुत्र हरी दत्त, निवासी ग्राम लूहेड़ा, पोस्ट तोलुयु, सल्ट को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ थाना सल्ट में आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया और शराब के परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन को सीज कर दिया गया। यहां पुलिस टीम में एसआई धरम सिंह के साथ एएसआई लखविंदर सिंह, हेड कांस्टेबल दीपक कुमार और होमगार्ड मनोज शर्मा शामिल रहे।

वहीं ऊर्जा निगम की टीम ने यूपी सीमा से सटी ग्राम सभाओं में छापा मारकर 15 घरों में बिजली चोरी पकड़ी। विभागीय कार्रवाई से उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया। वहीं टीम ने शिविर लगाकर बकायेदारों से चार लाख रुपये वसूल किए और 25 बकायेदारों के कनेक्शन काटे। हल्दी घेरा पावर स्टेशन के अंतर्गत ऊर्जा निगम की टीम ने बकाये को लेकर पूर्व में काटे गए बिजली उपभोक्ताओं के घरों में बिजली चोरी पकड़ी। इस दौरान विभाग टीम ने कई ग्राम सभाओं में लगातार छापेमारी की। सुनपहर निवासी जसविंदर सिंह, नौसर निवासी राम गौड़, रामनरेश, राम भरोसे, जेम्स मसीह, जितेंद्र, सुमित सिंह, सहित 15 घरों में बिजली चोरी पकड़ी।

रतनपुर-दरमोला से सेम-डुंगरी मोटर मार्ग को मिली स्वीकृति

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। भरदार क्षेत्र में रतनपुर-दरमोला मोटर मार्ग से सेम-डुंगरी मोटरमार्ग को भारत सरकार से वन भूमि की सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है। सड़क निर्माण संघर्ष समिति स्वीली के अध्यक्ष कृष्णानंद डिमरी ने शासन-प्रशासन के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। वर्ष 2012-13 में जिला योजना में रतनपुर-दरमोला मोटरमार्ग से ढ़ाई किमी सेम-डुंगरी मोटरमार्ग को स्वीकृति मिली थी, किंतु वन भूमि की दिक्कत के चलते मोटरमार्ग का निर्माण लटका रहा। जून 2021 में फिर से नया सर्वेक्षण एवं समरेखण कार्य शुरू हुआ। मोटरमार्ग में 0.63 हे. सिविल एवं वन भूमि आ रही थी। वन भूमि हस्तांन्तरण में करीब डेढ़ वर्ष पर आत्तियां लगने से वन भूमि की स्वीकृति नहीं मिल सकी। मई 2023 में उक्त मोटरमार्ग आनलाइन हुआ था। मोटरमार्ग समिति के लंबे संघर्ष के बाद अक्टूबर 2023 में वन पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून से उक्त मोटरमार्ग के लिए वन भूमि की सैद्धांतिक स्वीकृति मिली है।

लोनिवि ने वन भूमि संबंधी अनुपालन आख्या वन विभाग को भेज दी है। साथ ही विभाग स्तर पर मोटरमार्ग की वित्तीय स्वीकृति के लिए आंगणन तैयार किया जा रहा है। जिसके बाद विभाग शीघ्र इसे स्वीकृति के लिए शासन को भेजेगा। सड़क निर्माण संघर्ष समिति स्वीली के अध्यक्ष कृष्णानंद डिमरी ने भरदार क्षेत्र में सेम-डुंगरी मोटरमार्ग को क्षेत्रीय कार्यालय भारत सरकार देहरादून ने वन भूमि की सैद्धांतिक स्वीकृति मिल चुकी है। अब मोटरमार्ग बनने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। सैद्धांतिक स्वीकृति के बाद लोनिवि ने प्रतिपूर्ति वनीकरण के डिमांड नोट के अनुसार धनराशि जमा कर दी है। जिसके बाद अब इस मोटर मार्ग को लेकर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

गढ़वाल विवि में आयकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संवाद सहयोगी

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विश्वविद्यालय के सीनेट सभागार में आयकर विभाग देहरादून द्वारा आयकर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वित्तीय लेन-देन, ई-सत्यापन, आईटीआर यू से संबंधित जानकारियां साझा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य करदाताओं को जागरूक कर सुविधा प्रदान कर अनुपालन को सरल बनाना तथा कर संग्रहण में वृद्धि कर विकसित भारत 2047 के वीजन को सशक्त करना रहा। कार्यशाला में रुद्रप्रयाग, श्रीनगर एवं कीर्तिनगर समेत विभिन्न क्षेत्रों से 120 से अधिक करदाता एवं रिपोर्टिंग संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। आयकर विभाग देहरादून की ओर से आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता आयकर निदेशक (आसूचना व आपराधिक अन्वेषण), कानपुर, राकेश कुमार गुप्ता ने की। अपर आयकर निदेशक पीयूष कोठारी ने स्वागत भाषण के साथ आयकर विभाग के उद्देश्यों को साझा किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि विभिन्न सेवा प्रदाताओं द्वारा आयकर की धारा 285 बीए के तहत वित्तीय लेन-देन की जानकारी देना अनिवार्य है। उन्होंने आईटीआर (यू) के माध्यम से करदाताओं को अपनी छूटी हुई जानकारियां अपडेट करने की सुविधा पर प्रकाश डाला। बताया कि अपडेट आयकर फाइल करने का समय दो से बढ़ाकर चार साल किया गया है। कार्यक्रम में आयकर अधिकारी विपिन भट्ट ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एसएफटी फॉर्म 61 एवं 81ए, रिपोर्टिंग एंटिटी की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया तथा इसमें आने वाली समस्याओं के समाधान पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अधिकारियों ने ई सत्यापन स्कीम एवं धारा 139(8) के तहत आईटीआर (यू) की उपयोगिता पर भी चर्चा की। मौके पर कुलसचिव प्रो आरके ढोडी, प्रो मंजुला राणा, प्रो एमएस नेगी, व्यापार सभा अध्यक्ष दिनेश असवाल, चार्टेड अकाउंटेंट वेदव्रत शर्मा, कर अधिकवक्ता प्रशांत नौटियाल, मुकेश सेमवाल अन्य शामिल रहे।

वहीं धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्रनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय शिविर में रेड रिबन क्लब ने एड्स एचआईवी को लेकर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। जिला क्षय रोग निवारण केंद्र के चिकित्सकों ने छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को एचआईवी के बारे में जानकारी दी। शिविर में डॉ.अमित, दीक्षा किमोठी और प्रेमलाल ने कहा कि एड्स दुनिया की एकमात्र बीमारी है जिसका कोई इलाज नहीं है। लेकिन जागरूक रहकर इससे बचा जा सकता है। ऐसे में बचाव ही इसकी सबसे बड़ी दवा है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को एचआईवी संक्रमण से संबंधित भ्रांतियों और उनके निवारण, रोकथाम से भी रूबरू कराया। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज फोंदणी,डॉ. संजय कुमार ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम उपयोगी साबित होते हैं। एनएसएस के माध्यम से छात्र-छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में जागरूक किया जाता है। ताकि वह भविष्य में बेहतर नागरिक बन सकें।

श्रमिकों के कानूनी अधिकारों की जानकारी को चलेगा अभियान

अल्मोड़ा। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय के मार्गदर्शन में एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शचि शर्मा के निर्देशन में जनपद अल्मोड़ा के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए शविश्व सामाजिक न्याय दिवसश के उपलक्ष्य में आगामी 20 से 26 फरवरी तक विशेष अभियान शहक की बातश चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानूनी सेवाएं नालसा योजना 2015 के आलोक में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम और चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रमिकों को मुफ्त कानूनी सहायता, लोक अदालत के लाभ, डिजिटल गिरफ्तारी/साइबर अपराध, सरकार की कल्याणकारी योजनाएं, यातायात नियम आदि के बारे में जागरूक किया जाएगा।

सीएम पर अमर्यादित टिप्पणी करने पर भाजपा ने फूंका कांग्रेस विधायक का पुतला

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने द्वाराहाट से कांग्रेस विधायक मदन बिष्ट पर सरकार और मुख्यमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए उनका पुतला फूंका। कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे जनप्रतिनिधि के मुंह से इस तरह की टिप्पणी शोभा नहीं देती है। बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हनुमान चौक पर विधायक मदन बिष्ट का पुतला फूंका। कहा कि मदन बिष्ट चुने हुए प्रतिनिधि हैं। ऐसे में उन्हें शब्दों की मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए। लेकिन सरकार और मुख्यमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी कर विधानसभा सत्र में अच्छा आचरण नहीं किया है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से विधायक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। इस मौके पर जिला महामंत्री राजेंद्र जुयाल, मंडल अध्यक्ष गोपीराम चमोली, देवेंद्र बेलवाल, शीशराम थपलियाल, राम लाल नौटियाल, जयेंद्र पंवार, राजेश डिंयूडी, हीरा नेगी, सभासद विनीत उनियाल, मानवेंद्र रावत, सतवीर नेगी, तौफिक अहमद, अब्दुल अतीक, असगर अली, सोहन चौहान, मदन चौहान आदि मौजूद थे।

नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा गोला पार्क श्रीनगर में प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया गया। बुधवार को सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस नगर अध्यक्ष सूरज घिल्डियाल,पूर्व पीसीसी सदस्य बीरेंद्र सिंह नेगी, सुरेंद्र चौहान,नगर निगम पार्षद सूरज नेगी, रश्मि, राजकुमार और कुसुमलता ने कहा कि भाजपा सरकार जनता को लूटने के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने जा रही है। महंगाई के दौर में पहले ही आम जनता आर्थिकी से जूझ रही है। ऊपर से सरकार स्मार्ट मीटर के नाम से प्रदेश की जनता को गुमराह कर जेब काटने का काम कर रही है। कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार द्वारा लागू किए गए यूसीसी कानून में लिव इन रिलेशनशिप को महत्व दिए जाने पर प्रदेश की संस्कृति को गर्त में ले जाने की बात कही।

घनसाली वासियों को कूड़े की समस्या से मिली निजात

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। घनसाली और चमियाला नगर पंचायत के कूड़े की समस्या से निजात मिल गई है। लंबे समय से असेना में निर्माणाधीन ट्रेंचिंग ग्राउंड में कूड़ा डंप होना शुरू हो गया है। जिससे अब घनसाली-चमियाल मार्ग पर बने कूड़ा डंपिंग से फैल रही बदबू छात्रों से लेकर चारधाम यात्रियों की निजात मिलेगी। साथ ही भिलंगना नदी भी कूड़े से अब दूषित नहीं होगी। नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट ने असेना में बने ट्रेंचिंग ग्राउंड में कूड़ा डंप करने की शुरुआत की। अध्यक्ष ने कहा कि घनसाली और चमियाला के लोगों को अब गंदगी और बदबू से मुक्ति मिलेगी। चारधाम यात्रा के मुख्य पड़ाव सेंदुल में कूड़े से आम राहगीरों को दिक्कत उठानी पड़ती था। 2020 में 2.22 करोड़ की लागत से असेना में दोनों नगर पंचायत के लिए सरकार ने ट्रेंचिंग ग्राउंड की स्वीकृति दी थी, लेकिन लंबे समय बाद भी ट्रेंचिंग ग्राउंड का निर्माण पूरा नहीं हो पाया था। जिसके चलते लोगों को खासी दिक्कत उठानी पड़ रही थी। घनसाली-चमियाला मार्ग पर अंदरिया के पास कूड़ा डाला जा रहा था, जो सीधे भिलंगना नदी भी प्रवाहित होकर जा रहा था। जिसके चलते नदी दूषित हो रही थी। नगर पंचायत अध्यक्ष ने नगरवासियों से शहर का स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए सूखा और गीला कूड़ा अलग-अलग करके कूड़ा निस्तारण वाहन को ही देने की अपील की।

कोर्ट में लंबित प्रकरणों का गंभीरता करें निराकरण

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने राजस्व की मासिक बैठक लेते हुए एडीएम को टीम बनाकर चारधाम यात्रा मार्गों पर चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम और तहसीलदारों को राजस्व मामला प्रबंधन प्रणाली के तहत ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेशन को शतप्रतिशत करने सहित कोर्ट से संबंधित लंबित प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए जल्द हल करने के भी निर्देश दिए। बुधवार को जिला सभागार में आयोजित बैठक में डीएम मयूर दीक्षित ने हाईवे से अतिक्रमण हटाने, गाड़ियों को ठहरने के लिए होल्डिंग स्थलों को चिन्हित करने, मार्च में सभी ईओ, पुलिस, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक करने को कहा। एएसपी जेआर जोशी को थानों से संबंधित लंबित प्रकरणों को बैठक में लाने, बोर्ड परीक्षा,चारधाम यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा। वसूली के तहत मुख्य, विविध देयकों को शत प्रतिशत करना, अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने, बकायेदारों की सूची तहसील कार्यालयों में चस्पा करने को कहा गया। तहसीलों में मरम्मत संबंधी कार्यों के इस्टीमेट जिला कार्यालय को भेजने, यूसीसी के तहत तहसीलदार, नायब तहसीलदारों को वीडीओ और निकायों के ईओ से समन्वय कर एसडीएम के साथ व्यवस्थित रूप से प्रकरणों को हल करने को कहा। पटवारियों को जमीन खरीद के प्रकरणों को लेकर साइट पर जाकर बारीकी से जांच कर सही रिपोर्टिंग के निर्देश दिए। गजा और घनसाली में नवनिर्मित गोशालाओं को मार्च तक संचालित,चमियाला गोशाला निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस मौके पर एडीएम एके पांडेय, एसडीएम देवेंद्र नेगी, संदीप कुमार, अपूर्वा सिंह, एआरटीओ सत्येंद्र राज, डीएसओ मनोज डोभाल, खाद्य अभिहित अधिकारी मनोज आदि मौजूद थे।

सख्त भू कानून के निर्णय ऐतिहासिक : उपाध्याय

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। टिहरी विधायक व हिमालय-गंगा-जल जीवन बचाओ अभियान और वनाधिकार आंदोलन के प्रणेता किशोर उपाध्याय ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित सरकार के द्वारा उत्तराखंड आंदोलन की जन भावना के अनुरूप प्रदेश में भू कानून के लिए सम सामयिक कदम उठाने के निर्णय की सराहना करते हुए इसे जन भावना की रक्षा का कार्य बताया है। विधायक उपाध्याय ने कहा कि इस कदम से एक ओर जहां प्रदेश में भूमि की रक्षा होगी ही वहीं यह निर्णय जल, जंगल और जमीन के मुद्दों का समाधान भी बनेगा। विधायक ने कहा कि उत्तराखंड जनसंख्या की दृष्टि से छोटा राज्य हो सकता है, लेकिन वैश्विक मानवीय सरोकारों की रक्षा में हमारे प्रदेश का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व है। कहा कि देश के 63 प्रतिशत जल की आपूर्ति अकेला उत्तराखंड राज्य करता है। हिमालय और हिमालयी नदियों को बचाने में धामी सरकार का यह निर्णय एक मील का पत्थर साबित होगा। कहा कि अब राज्य में कोई भी बाहरी व्यक्ति अनाप-शनाप तरीके से भूमि की खरीद-फरोख्त नहीं कर पाएगा। बीते करीब तीन साल में धामी सरकार ने कई ऐतिहासिक निर्णय लेकर जनता के उस जनादेश का भी सम्मान किया है, जिसमें उत्तराखंड में एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस सरकार की परिपाटी बनी हुई थी। 2022 में जनता ने भाजपा को पुनः सत्ता में काबिज कराया था, जिसका प्रतिफल देखने को मिल रहा है।

सम्पादकीय

परम नागरिक

गुरुवार, 20 फरवरी, 2025

मध्यस्थता रचनात्मक समाधान

प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा है कि सभी विवाद अदालत और मुकदमेबाजी के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मध्यस्थता भी समस्या के निवारण का तरीका है क्योंकि यह रचनात्मक समाधान प्रदान करती है और संबंधों को मजबूत करती है। सीजेआई ने नागपुर में महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में कहा कि प्रत्येक मामले को कानूनी मुद्दे की नजर से नहीं, बल्कि मानवीय पहलू के रूप में भी देखा जाना चाहिए। भारतीय कानूनी सहायता का स्वरूप शायद दुनिया में सबसे मजबूत है, जहां सभी हितधारकों को सहायता दी जाती है। सीजेआई का यह कहना उचित है कि मध्यस्थता रचनात्मक समधान है। ऐसा इसलिए कि इससे प्रतिकूल फैसला आने के बाद भी लोगों के परस्पर संबंध सौहार्दपूर्ण बने रहते हैं। संघर्ष को कुशलतापूर्वक खत्म किया जा सकता है। इस विकल्प को अपनाया जाना सामाजिक ताने बाने को बिखरने नहीं देता। ऐसा किया जाता है तो अदालतों में मुकदमों का जो अंबार लगा है, उसमें भी खासी कमी आ सकती है। न्यायिक प्रणाली पर अरसे से लंबित मामलों के बोझ से काफी हद तक निजात मिल सकेगी। फिर, जैसे-जैसे हमारी समस्याएं और अधिक गतिशील होती जा रही हैं, उनके समाधान की आवश्यकता और अधिक लचीली होनी चाहिए जिसकी तरफ सीजेआई ने भी ध्यान आकर्षित किया है। मध्यस्थता के लिए भारतीय समाज में मुफीद जमीन अनंतकाल से मौजूद रही है। साहित्य और लोक जीवन में मिल-बैठकर मामलों को सुलझाने के दृष्टांत सहज ही खोजे जा सकते हैं। कहना न होगा कि पंच परमेर की धारणा भारतीय जनमानस में गहरे पैठी है। जरूरी है कि इसके प्रति अपने आग्रह को प्रेरित बनाए रखा जाए। इस भावभूमि से विचलन ने हमारी समस्याएं बढ़ाई हैं और हमे न्याय पाने में बेवजह की देरी से दोचार होना पड़ता रहा है। इससे उस सिद्धांत की भी अनदेखी हुई है, जिसमें कहा गया है कि विलंब से मिले नयाय का न्याय न मिलने के तुल्य होता है। आज चुनौतियां से पहले से कहीं विकट हैं। पर्यावरणीय चिंताओं, मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय से जुड़ा एक पूरा परिदृश्य ही हमारे सामने उभर आया है। जरूरी है कि कानूनी तकनीकी शब्दावली के पचड़े बिना मानवीयता और रचनात्मकता को तरजीह मिले।

केजरीवाल का चुनाव हारना एक बड़ी परिघटना

अजीत द्विवेदी

दिल्ली के चुनाव नतीजों की अलग अलग नजरिए से व्याख्या हो रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आम आदमी पार्टी और खुद अरविंद केजरीवाल का चुनाव हार जाना एक बड़ी परिघटना है। आंदोलन से निकली एक पार्टी ने एक दशक के समय में जो मुकाम हासिल किया था वहां से उसका नीचे गिरना कई बातों का संकेत है। आमतौर पर यह माना जा रहा है कि आंदोलन से निकली पार्टी अपने मूल्यों को भूल गई और किसी दूसरी पारंपरिक पार्टी की तरह राजनीति करने लगी इसलिए उसकी हार हुई है। यह भी कहा जा रहा है कि एक विचारधारा विहीन पार्टी का यह हस्र होना तय था।

यह भी कहा जा रहा है कि आम आदमी पार्टी चुनावी सफलता के पीछे भागती रही और उसने संगठन व काडर बनाने पर ध्यान नहीं दिया इसलिए उसकी हार हुई है। ये सारी बातें सही हैं और आम आदमी पार्टी व अरविंद केजरीवाल की हार में इन सब कारणों का योगदान है। परंतु अब हार के कारणों से आगे देखने की जरुरत है। आगे क्या? क्या धूमकेतु की तरह उभरे अरविंद केजरीवाल अब समाप्त हो जाएंगे और उनकी तरह दूसरी प्रादेशिक पार्टियों के अस्तित्व पर भी ग्रहण लगेगा और इससे भाजपा व कांग्रेस के रूप में दो ध्रुवीय राजनीति की बुनियाद बनेगी? हो सकता है ऐसा हो लेकिन उसके साथ ही एक और बदलाव की संभावना दिख रही है और वह ये है कि दिल्ली के नतीजे से रेवड़ी की राजनीति के अंत की शुरुआत हो गई है।

हालांकि पहली नजर में ऐसा दिख नहीं रहा है, बल्कि इसका उलटा दिख रहा है। श्रेवड़ी राजनीति के अंत की शुरुआत' के निष्कर्ष को यह कह कर खारिज किया जा सकता है कि असल में दिल्ली में भाजपा की जीत रेवड़ी राजनीति की ही जीत है। क्योंकि भाजपा ने न सिर्फ आम आदमी पार्टी की सरकार की रेवडियों को जारी रखने का वादा किया, बल्कि उसके ऊपर भी बहुत कुछ देने की घोषणा की है। इसके बावजूद दिल्ली के चुनाव नतीजे में रेवड़ी राजनीति के खत्म होने के बीज छिपे हैं। हो सकता है कि इस बीज के अंकुरित होने में थोड़ा समय लगे लेकिन देर सबेर ऐसा होगा जरूर। ऐसा मानने का कारण यह है कि दिल्ली के लोगों को अगर सिर्फ मुफ्त की चीजों और सेवाओं की घोषणा से प्रभावित होकर वोट करना होता तो उनके सामने भाजपा से बेहतर विकल्प आम आदमी पार्टी का था। आम आदमी पार्टी का मुफ्त की रेवड़ी बांटने का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। इसके बावजूद लोगों ने उसको छोड़ कर भाजपा को वोट दिया तो उसके पीछे रेवड़ी राजनीति के अलावा भी कुछ चीजें हैं।

लोगों ने रेवड़ी बंटने की निरंतरता कायम रहते हुए कुछ और काम होने की उम्मीद में भाजपा को वोट दिया है। उनकी वह उम्मीद आप और अरविंद केजरीवाल की सरकार से पूरी नहीं हुई थी। यह उम्मीद 2015 में पूर्ण बहुमत की केजरीवाल की सरकार बनने के साथ ही टूटने लगी थी लेकिन लोगों ने 2020 में उस पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने 2020 में मुफ्त की रेवड़ी के नाम पर वोट कर दिया। यहां तक कि 2022 में पंजाब में भी इसी उम्मीद में आप को छप्पर फाड़ वोट मिले और उसकी सरकार बनी। परंतु 2025 आते आते पानी सिर के ऊपर से बहने लगा तब लोगों ने रेवड़ी की राजनीति को खारिज किया।

उन्होंने सिर्फ इस उम्मीद में भाजपा को वोट नहीं दिया है कि वह बहुत सारी चीजें और सेवाएं मुफ्त में देगी, बल्कि इस उम्मीद में दिया है कि भाजपा की सरकार दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने के लिए काम करेगी। यमुना की सफाई करेगी। सडकों और गलियों को साफ रखेगी। नालों की सफाई होगी। दिल्ली की हवा साफ होगी और लोगों के घरों में पीने का साफ पानी पहुंचेगा। नौकरी व रोजगार के अवसर बनेंगे। अगर दिल्ली के लोगों की यह उम्मीद है तो जाहिर है कि वे रेवड़ी की राजनीति को किनारे करने के लिए तैयार हैं। भले पूरी तरह से नहीं हों लेकिन अब उस दिशा में उन्होंने सोचना शुरू कर दिया है और अगर भाजपा की सरकार उन उम्मीदों को पूरा करती है तो रेवड़ी की राजनीति से ध्यान हटेगा।

ध्यान रहे सांस्थायिक रूप से रेवड़ी की राजनीति अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली से ही शुरू की थी। उन्होंने लोक कल्याण और मुफ्त की रेवड़ी का फर्क मिटा दिया था। उन्होंने तमिलनाडु मॉडल पर चुनाव को प्रभावित करने के लिए वन टाइम रेवड़ी नहीं बांटी थी, बल्कि उसको स्थायी स्वरूप दिया था। गौरतलब है कि तमिलनाडु में चुनाव को प्रभावित करने के लिए पार्टियां चुनाव के समय महिलाओं को मिक्सर, ग्राइंडर से लेकर वाशिंग मशीन और मंगलसूत्र देने का वादा करती थीं और देती भी थीं। वोट खरीदने के लिए पैसे भी बांटे जाते थे।

लेकिन हर महीने बिजली, पानी मुफ्त में देने या मुफ्त बस पास देने जैसी योजनाएं नहीं चलाई जाती थीं। एक बार मंगलसूत्र देंगे या लैपटॉप देंगे यह चलता था। केजरीवाल ने इस रेवड़ी राजनीति को सांस्थायिक रूप दिया। इसी को उन्होंने दिल्ली मॉडल के तौर पर प्रचारित किया। स्कूलों और अस्पतालों का रंग रोगन करके पीआर स्टंट के जरिए उसका प्रचार करना और मुफ्त की चीजें व सेवाएं बांटना उनका मुख्य काम रहा। दिल्ली, पंजाब सहित कई राज्यों में उनको इसका फायदा मिला और उनकी देखादेखी सभी पार्टियों ने रेवड़ी राजनीति शुरू कर दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू में इसका विरोध किया और इसे अर्थव्यवस्था को बरबाद करने वाला बताया लेकिन बाद में उनको भी समझ में आया कि यही चुनाव जीतने का मंत्र है तो वे भी बहती गंगा में कूद गए।

अब इस गंगा की गंगोत्री यानी दिल्ली में इसके भगीरथ यानी अरविंद केजरीवाल चुनाव हार गए हैं। यह निजी तौर पर उनके लिए बड़ा झटका है लेकिन रेवड़ी राजनीति के चुनाव जिताने की गारंटी पर भी सवालिया निशान लगाता है। जो वर्ग पूरी तरह से मुफ्त की रेवड़ी की उम्मीद में रहा या जिसने भाजपा को हराने की जिम्मेदारी अपने कंधे पर उठा रही है उसको छोड़ कर बाकी लोगों ने भाजपा को वोट किया। यह एक बड़ा आकांक्षी वर्ग है। उसको यह भी समझ में आ रहा है कि रेवड़ी बांटने के चक्कर में सरकारों का खजाना खाली हो रहा है और सरकारें बुनियादी ढांचे के विकास का काम नहीं कर पा रही हैं या रोजगार के अवसर पैदा करने वाली योजनाएं नहीं ला पा रही हैं। उसके लिए सरकार भी पूरी तरह से निजी निवेश और निजी क्षेत्र की गतिविधियों पर निर्भर हो गई है। रेवड़ी की राजनीति से सरकारों का खजाना खाली हो रहा है और उस पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है और इसी वजह से सरकारें अंधाधुंध टैक्स वसूल रही हैं, जो अंततः आम लोगों की जेब से ही निकल रहा है। अगर लोगों को ये बातें समझ में आती हैं तो इसी से रेवड़ी की राजनीति का अंत होगा।

रोशनी की एक किरण यह भी दिख रही है कि दिल्ली के नतीजे से पहले की लोक कल्याण और रेवड़ी राजनीति पर चर्चा होने लगी थी। दिल्ली हाई कोर्ट से रिटायर जज जस्टिस एसएन ढींगरा ने इसे लेकर एक जनहित याचिका दिल्ली हाई कोर्ट में दायर की है। उम्मीद की जानी चाहिए कि हाई कोर्ट में लोक कल्याण बनाम रेवड़ी की राजनीति पर सार्थक बहस होगी। अगर अदालत दोनों के बीच के बारीक फर्क को समझाए तो पार्टियों के लिए भी बड़ी राहत की बात होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि पार्टियां और राज्य सरकारें भी इस राजनीति के जाल से निकलना चाहती हैं।

लेकिन उनको कोई रास्ता नहीं सुझ रहा है। उन्होंने जनता को इसकी ऐसी लत लगाई है, जिसे छुड़ाना आसान नहीं है। लेकिन अगर अदालत से निर्णायक फैसला आ जाए कि सरकारें लोक कल्याण के काम तो करेंगी यानी शिक्षा व स्वास्थ्य की सस्ती व बेहतर सेवा देंगी और कृषि व छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देने वाली योजनाएं चलाएंगी लेकिन मुफ्त की चीजें नहीं बांटेंगी तो रेवड़ी राजनीति पर विराम लग सकता है।

भारत की सनातन समावेशी संस्कृति

अशोक शर्मा

हमारे संविधान का भी सार यही है जो ऋग्वेद ने बताया है यानी सत्य एक है जिसे किसी भी मार्ग से खोजा जा सकता है, यानी पंथ निरपेक्षता! जाहिर है हमें एक नागरिक के रूप में ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे हमारी समावेशी संस्कृति को धक्का पहुंचे। यही बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने कहने की कोशिश की लेकिन उनकी बात का गलत मतलब निकाला गया और इस पर सियासत शुरू हो गई।

ऋग्वेद का एक वाक्य है 'एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति' यानी सत्य एक है, लेकिन बुद्धिमान लोग उसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह वाक्य ऋग्वेद में आया है। इसका मतलब यह भी है कि एक ही चेतना सभी में है। जाहिर है हमारी सत्य सनातन संस्कृति बहुत समावेशी है और मानती है कि ईश्वर की आराधना अलग-अलग पद्धतियों या मजहबों के माध्यम से की जा सकती है लेकिन सबकी मंजिल यानी ईश्वर एक है। पिछले कुछ दिनों से संविधान की बहुत दुहाई दी जा रही है। हमारे संविधान का भी सार यही है जो ऋग्वेद ने बताया है यानी सत्य एक है जिसे किसी भी मार्ग से खोजा जा सकता है, यानी पंथ निरपेक्षता ! जाहिर है हमें एक नागरिक के रूप में ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे हमारी समावेशी संस्कृति को धक्का पहुंचे। यही बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने कहने की कोशिश की लेकिन उनकी बात का गलत मतलब निकाला गया और इस पर सियासत शुरू हो गई। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि भाजपा और संघ परिवार के ही बहुत से लोग डॉ मोहन भागवत की इस बात से सहमत नहीं है ? उप्र के संभल या राजस्थान के अजमेर में जो हिंदूवादी दावे किए जा रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि यह तबका न तो शीर्ष अदालत की परवाह कर रहा है और न ही सरसंघचालक की नसीहत सुनने, मानने को तैयार है। बल्कि साधु-संतों का एक वर्ग सरसंघचालक के कथन का विरोध करने लगा है। यह अत्यंत आश्चर्यजनक है कि संभल (उप्र) में 1978 के सांप्रदायिक दंगों की आड़ लेकर खुदाई की जा रही है। उन दंगों में 184 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। अधिकांश लोग हिंदू थे। सवाल यह है कि इतने पुराने दंगों का संदर्भ अब क्यों उठाया जा रहा है? क्या प्रासंगिकता है? एक पुराना नक्शा जांच के दौरान सामने आया है, जिसके मुताबिक 68 हिंदू तीर्थों और 19 कूपों (कुओं) की खोज की जानी है। अब यह नक्शा संभल जिलाधिकारी के पास है, जिस नक्शे को 'शंभल महात्म्य' कहा जाता है। क्या इन तीर्थों के लिए भी खुदाई और जांच कराई जाएगी ? बीते दिनों एक कूप से हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली थीं। कुछ खंडित प्रतिमाएं भी मिली थीं। अब संभल में एक प्राचीन बावड़ी सामने आई है। इस समय यह 210 वर्ग मीटर में बनी है। बावड़ी को राजा सहसपुर के राजघराने के कुंवर जगदीश सिंह के नाना ने बनवाया था। इसमें कोई सुरंग नहीं है, बल्कि बावड़ी गोलाई में बनी है। बावड़ी में तीन मंजिलें पाई गई हैं। बहरहाल, यह सवाल तो सबके मन में उठना ही चाहिए कि हिंदुओं पर हुए सदियों पुराने अत्याचारों को अब सामने लाकर क्या हासिल होगा ? उन अत्याचारों के लिए मुगल आक्रांता दोषी थे। उनके अत्याचारों का बदला आज के भारतीय मुसलमान से किस तरह लिया जा सकता है ? जब ऐसा किया जाना संभव नहीं है और ना ही ऐसा होना चाहिए तो फिर क्यों हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग को तलाशा जा रहा है ? ऐसा करने से देश का भला कैसे होगा ? यदि इस मामले में हिंसा होती है तो नुकसान किसका होगा ? अगर भारत सुरक्षित नहीं है, यदि भारत तरक्की की राह में पिछड़ता है तो इसका नुकसान सबसे ज्यादा हिंदुओं को ही होगा क्योंकि वही इस देश में बहुसंख्यक हैं। जाहिर है यदि हिंदू हित की दृष्टि से भी सोचा जाए तो इस तरह की हरकतें बंद की जानी चाहिए। यही संदेश संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत कट्टरपंथी हिंदुओं को देना चाहते हैं। हिंदू उन्माद को बढ़ावा देकर आखिर क्या हासिल होगा ? जाहिर है मोहन भागवत वही कह रहे हैं जो हमारे वेदों का सार है या जो हमारी संस्कृति की सहिष्णुता का मर्म है। दरअसल,सभी विचारशील लोगों को इस पर विचार करना चाहिए कि क्या पुराने इतिहास के विद्रूप रूप को सामने लाने से हमारा भला होने वाला है ? यदि नहीं तो यह सब बंद होना चाहिए।

सामाजिक न्याय की पिच पर नई सोशल इंजीनियरिंग अपेक्षित

ललित गर्ग

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर विशेष

विश्व सामाजिक न्याय दिवस सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसमें गरीबी, लैंगिक असमानता, महंगाई, महिला अत्याचार, बेरोजगारी, मानवाधिकार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों से निपटने के प्रयास शामिल हैं। यह दिवस प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाता है और यह आयोजन हर साल हमें अधिक निष्पक्ष, अधिक न्यायसंगत, अधिक समान, अधिक मानवीय समाज बनाने की आवश्यकता की याद दिलाना। इसका उद्देश्य हमें यह पहचानने में मदद करना है कि मनुष्य के रूप में हमने जितनी भी प्रगति की है, उसके बावजूद कई बाधाएं अधिसंख्य लोगों को एक निष्पक्ष एवं समानतापूर्ण जीवन जीने से रोकती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है 'समावेश को सशक्त बनाना : सामाजिक न्याय के लिए अंतराल को पाटना'। थीम प्रणालीगत असमानता को दूर करने में समावेशी नीतियों, निरंतर सीखने और सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। इसे पहली बार साल 2009 में मनाया गया था। दुनिया में बढ़ती समस्याओं को देखते हुए आज सामाजिक न्याय की जितनी जरूरत है उतनी पहले शायद पहले नहीं थी। दुनिया में राजनैतिक विभाजन पहले से अधिक हो रहा है एवं समुदायों में असुरक्षा ज्यादा बढ़ती दिख रही है। हम सब मिलकर जाति-धर्म, गरीबी- अमीरी, वंश-वर्ग आदि सारे भेदभाव को भुलाकर एक स्वस्थ एवं आदर्श समाज की स्थापना करें और मानव अधिकारों का सम्मान करें, यही इस दिवस का मूल उद्देश्य है। सामाजिक न्याय की पिच पर ही नई सोशल इंजीनियरिंग तैयार हो सकती है।

यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो आज अधिक प्रासंगिक है। इस संदर्भ में निष्पक्षता का अर्थ है शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, न्याय और अन्य के समान मानकों तक समान पहुंच। सभी की इन चीजों के समान मानकों तक समान पहुंच होनी चाहिए, चाहे उनकी जाति, धर्म, लैंगिकता, लिंग या वर्ग कुछ भी हो। विश्व सामाजिक न्याय का मतलब है, ऐसा समाज बनाना जहां सभी लोगों को समान अधिकार, अवसर और व्यवहार मिलें। सामाजिक न्याय के जरिए समाज की आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को कम करने की कोशिश की जाती है और सभी नागरिकों को सामाजिक समानता देने के प्रयास किये जाते हैं। समाज की सामान्य भलाई के लिए दूसरों की देखभाल एवं सहायता करने की जिम्मेदारी और सभी को अपनी जिंदगी में सुधार करने के लिए समान अवसर मिले, इसके लिये यह दिवस एक आह्वान है। सामाजिक न्याय की आकांक्षा, यह सुनिश्चित करती है कि हर कामकाजी पुरुष और महिला को अपने योगदान के मुताबिक उचित हिस्सा मिले, जो सामाजिक न्याय, सामाजिक एकजुटता, आर्थिक विकास, और मानव प्रगति के लिए जरूरी है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस को सफल बनाने के लिए कई देश एक साथ मिलकर बेरोजगारी, गरीबी, जाति भेदभाव, लिंग और धर्म के नाम पर बंटे लोगों को एकजुट करने की कोशिश करते हैं। भारत में भी सदियों से लोगों को समान अधिकार देने का विधान रहा है। इसके लिए भारतीय संविधान में सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिए कई प्रावधान हैं। समाज में यह जागरूकता फैलाने की जरूरत है कि सभी एक हैं और किसी में भी कोई भेदभाव नहीं देखना चाहिए। भारत सरकार भी कई योजनाएं चला रही हैं। एक विचार के रूप में सामाजिक न्याय की बुनियाद सभी मनुष्यों को समान मानने के आग्रह पर आधारित है। इसके मुताबिक किसी के साथ सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। हर किसी के पास इतने न्यूनतम संसाधन होने चाहिए कि वे 'उत्तम जीवन' की अपनी संकल्पना को धरती पर उतार पाएँ। विकसित हों या विकासशील, दोनों ही तरह के देशों में राजनीतिक सिद्धांत के दायरे में सामाजिक न्याय की इस अवधारणा और उससे जुड़ी अभिव्यक्तियों का प्रमुखता से प्रयोग किया जाता है। भारत जैसे देश में सामाजिक न्याय का नारा वंचित समूहों की राजनीतिक गोलबंदी का एक प्रमुख आधार रहा है। उदारतावादी मानकीय राजनीतिक सिद्धांत में उदारतावादी-समतावाद से आगे बढ़ते हुए सामाजिक न्याय के सिद्धांतीकरण में कई आयाम जुड़ते गये हैं। मसलन, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंस्कृतिवाद, मूल निवासियों के अधिकार आदि। इसी तरह, नारीवाद के दायरे में स्त्रियों के अधिकारों को लेकर भी विभिन्न स्तरों पर सिद्धांतीकरण हुआ है और स्त्री-सशक्तीकरण के मुद्दों को उनके सामाजिक न्याय से जोड़ कर देखा जाने लगा है।

अनेक असमानताओं, आग्रहों, समस्याओं के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में सामाजिक न्याय के उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार का सामाजिक न्याय का तरीका समाज में विभेद करने का नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने का है। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को समाज के वंचित एवं हाशिए पर पड़े वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, विकलांग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों आदि के कल्याण, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण का दायित्व सौंपा गया है। मोदी ने कहा भी है कि सामाजिक न्याय, तुष्टिकरण से नहीं, संतुष्टिकरण से आता है। सरकार के द्वारा कई योजनाएं के अंतर्गत लोगों को समान अधिकार देने की कोशिश की जा रही है। साथ ही समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव, ऊंचनीच को जड़ से समाप्त करते हुए इससे समस्त समाज का एकसाथ विकास का प्रयास हो रहा है।

हम जिस लोकतंत्र में जी रहे हैं वह लोक-समानता का लोकतंत्र है या लोक-विभेद का? हम जो स्वतंत्रता भोग रहे हैं वह समानता की स्वतंत्रता है या अराजक एवं असमानता की? हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। नहीं तो फिर रह क्या जाएगा हमारे पास। टमाटर, प्याज के आसमान छूते भाव- प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक् समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके।

सरकारों के पास शक्ति के कई स्रोत है, लेकिन इस शक्ति से कितनों का कल्याण हो रहा है? कैसा विचित्र लोकतंत्र है जिसमें नेता एवं नौकरशाहों का एक संयुक्त संस्करण केवल इस बात के लिये बना है कि न्याय की मांग का जबाव कितने अन्यायपूर्ण तरीके से दिया जा सके। महंगाई के विरोध का जबाव महंगाई बढ़ा कर दो, रोजगार की मांग का जबाव नयी नौकरियों की बजाय नौकरियों में छंटनी करके दो, कानून व्यवस्था की मांग का जबाव विरोध को कुचल कर आंसू गैस, जल-तोप और लाटी-गोली से दो। नेता एवं नौकरशाह केवल खुद की ही न सोचें, अपने परिवार की ही न सोचें, जाति की ही न सोचें, पार्टी की ही न सोचें, राष्ट्र की भी सोचें, सम्पूर्ण मानवता की सोचें। क्या हम लोकतंत्र को अराजकता की ओर धकेलना चाह रहे हैं? नेतृत्व आज चुनौतीभरा अवश्य है, विकास का मंत्र भी आकर्षक है, लेकिन सबसे बड़ा विकास तभी संभव है जब जनता खुश रहे, निर्भार रहे, सुखी रहे और लगे कि यह जनता के सुख एवं समानता का लोकतंत्र है। ऐसा होने पर ही विश्व सामाजिक न्यास दिवस मनाने की सार्थकता होगी।

ज्यादा कार्टून देखना होता है नुकसानदेह

बच्चा है तो कार्टून तो देखेगा ही। अगर आपकी भी यही सोच है तो इसे बदलने की जरूरत है। ज्यादा कार्टून देखना आपके बच्चे के मानसिक सेहत के साथ-साथ उसके सामान्य स्वभाव को भी प्रभावित कर सकता है। टीवी की लत से बच्चे को इस प्रकार बचायें।

किसी भी मां से पूछ कर देखिए, वह अपने बच्चे के टीवी देखने की लत से परेशान जरूर मिलेगी। साइकोलॉजिस्ट, कामना छिब्बर के मुताबिक, 'सभी जानते हैं कि बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं। टीवी और उस पर आने वाले कार्टून सीरियरल का असर उन पर तेजी से बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर उनमें सोशल स्किल्स कम हो रहे हैं। यही वजह है कि 8 से 15 साल के 13 प्रतिशत बच्चों में एडीएचडी, ऑटिज्म, एंजाइटी आदि मानसिक परेशानियां पाई जाती हैं। टीवी की इसी लत के कारण किसी एक चीज पर ध्यान केंद्रित करने में भी उन्हें परेशानी होती है।

पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी परेशानियां भी इसी लत का नतीजा है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने का एक ही उपाय है, टीवी देखने की आदत पर नियंत्रण।' अगर आप चाहती हैं कि आपके बच्चे को कार्टून की लत न लगे, वह खेलकूद और पढ़ाई में भी पूरी तरह से सक्रिय रहे, तो इसके लिए कोशिश भी आपको ही करनी होगी।

टीवी प्रोग्राम हो सही

बच्चे पर टीवी के लिए एकदम पाबंदी लगाना तो संभव नहीं है, इसलिए जरूरी है कि आप यह ध्यान दें कि आपका बच्चा टीवी पर कोई अच्छा व ज्ञानवर्धक प्रोग्राम ही देखे। ऐसा कोई भी सीरियल या कार्टून शो जो बच्चे की सोच को नकारात्मक बना सकता है, उससे बचें। कोशिश करें कि बच्चा ऐसा प्रोग्राम देखे जिसमें वह भाग ले सके। जैसे कि क्विज प्रतियोगिता, कोई आर्ट वर्क बनाने की विधि आदि। इस तरह के प्रोग्राम देखने से आपके बच्चे का मानसिक विकास होगा। यदि आपका बच्चा कुछ देखने की जिद करता है तो सबसे पहले उससे उस प्रोग्राम को देखने की वजह जानें। यदि वह ऐसा न कर पाए या उसकी मांग गलत हो तो उसे अपनी आपत्ति का कारण समझाएं।

टीवी देखने की समय सीमा निर्धारित करें

अक्सर माता-पिता बच्चे की शैतानियों व जिद से बचने के लिए उसे टीवी में ही व्यस्त रहने देने में राहत महसूस करते हैं। उन्हें लगता है, बाहर जाएगा, धूल-मिट्टी में खेलेगा, कपड़े गंदे करेगा या चोट लगा बैठेगा, इससे बेहतर है घर में ही आंखों के सामने टीवी देखता रहे लेकिन आपकी यह सोच गलत है। आप इसके दीर्घकालिक प्रभाव को नजरअंदाज कर रही हैं। बच्चे को अपने आसपास के वातावरण से सीखने का मौका दें। इस तरह उनका शारीरिक व मानसिक विकास ठीक प्रकार से होगा। उनकी टीवी देखने की समय सीमा निधारित करें। बच्चे को 1 या 2 घंटे से ज्यादा टीवी बिल्कुल न देखने दें।

टीवी देखते समय रहे साथ

कोशिश करें कि जब भी आपके बच्चे का टीवी देखने का टाइम है, उस वक्त आप भी उसके साथ बैठें। अपने काम करने के चक्कर में उसे अकेला बिल्कुल नहीं छोडें। टीवी देखते वक्त उसके हर सवाल का सही जवाब दें, यदि बच्चा सवाल न पूछे तो आप उससे उसके संदर्भ में सवाल पूछें। यदि बच्चे में किसी सीन को देखकर कोई गलत बात सीखने का अंदेशा हो तो बातों-बातों में उसे उस काम के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी दें।

खाना-टीवी साथ नहीं

ज्यादातर परिवारों में लोग रात के वक्त खाना खाते हुए एक साथ बैठकर टीवी देखने को पारिवारिक एकजुटता का प्रतीक समझने की भूल करते हैं लेकिन यह सोच सरासर गलत है। रात का खाना सब मिलकर खाएं, लेकिन साथ में टीवी नहीं देखें। आपस में बात करें। खासकर बच्चों के मामले में अक्सर देखा गया है कि बच्चा टीवी में इतना मशगूल हो जाता है कि मां को बार-बार टोक कर खाना खत्म करने के लिए बताना पड़ता है। जब बच्चा खाना खा रहा है तो टीवी बिल्कुल न चलाएं। आप जैसा माहौल बनाएंगी, बच्चे में वही आदत बन जाएगी।

टीवी देखने के दौरान बतायें सही और गलत

बच्चे बहुत मासूम होते हैं। आप उन्हें जैसा बनाना चाहें, वैसा बना सकती हैं। अगर आपका बच्चा कुछ गलत कर रहा है तो उसकी वजह आप ही हैं। अक्सर माता-पिता टीवी और कार्टून को दोष देकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। आपको यह समझना होगा, यदि बच्चे ने टीवी कार्टून से कुछ गलत सीखा है तो उसकी वजह है कि आप उस वक्त उसके साथ नहीं थीं। यदि उसी वक्त आपने बच्चे के साथ उस प्रोग्राम पर बात की होती, तो गलत सीख को दिमाग में घर करने से रोक सकती थीं। बच्चा टीवी में जो कुछ भी देखता है उसके बारे में उससे खुलकर चर्चा करें। उसे यह बताएं कि कार्टून में वह जो देख रहा है, वह सच नहीं है।

इस प्रकार बढेगी बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता

बच्चों को बीमारी से बचाने का एक तरीका उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर किया जा सकता है। किसी की भी रोग प्रतिरोधक क्षमता का बेहतर होना बेहद जरूरी होता है। खासकर बच्चों का क्योंकि, बच्चे संक्रमण की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। ऐसे में रोग प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने पर बीमारियों का असर जल्दी होता है, इसकी मुख्य वजह यह है कि शरीर कमजोर हो जाता है और हम जल्दी-जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं।

हालाँकि, कई विशेषज्ञों का यह मानना है कि अधिकतर बच्चो को जुकाम खांसी और बुखार की समस्या मौसम बदलने के कारण होती है, लेकिन अगर आप अपने बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा दें तो ऐसी संक्रमण वाली बीमारियों से काफी हद तक बचा जा सकता है। ऐसे में बच्चे की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए यह तरीके अपनाएं।

बच्चे को स्तन पान कराएं- मां के दूध में प्रतिरोधी क्षमता मजबूत बनाने के सारे गुण मौजूद होते है। माँ का दूध बच्चों के लिए अमृत समान होता है, इतना ही नहीं यह बच्चों में संक्रमण, एलर्जी, दस्त, निमोनिया, दिमागी बुखार, और अचानक शिशु मृत्यु सिंड्रोम के खिलाफ लड़ने के लिए भी मजबूत बनाता है। ऐसे में बच्चे को जन्म लेने के साथ-साथ ही स्तनों से बहने वाले गाढे पतले पीले दूध को कम से कम 2-3 महीने तक जरुर पिलाएं।

बच्चे को हरी सब्जी खिलाएं- अपने बच्चे को खाने में गाजर, हरी बीन्स, संतरे, स्ट्रॉबेरी जैसे सभी को चीजों को शामिल करें, क्योंकि यह विटामिन सी और कैरोटीन युक्त होते हैं। जो आपके बच्चे की प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। ऐसे में बच्चों को अधिक से अधिक फल और सब्जियों को उनके खाने में शामिल करें, ताकि बच्चे को संक्रमण से लड़ने में मदद मिल सके।

बच्चे को भरपूर नींद लेने दें- बच्चों में नींद की कमी होने पर प्रतिरोधी क्षमता तो कमजोर होती ही साथ ही आपका बच्चा बीमारी का अधिक शिकार होने लगता है। जिससे कि नवजात में स्वास्थ्य मुश्किलें बढ़ जाती है। हालाँकि, नवजात बच्चों को एक दिन में 18 घंटे की नींद तो वही छोटे बच्चों को 12 से 13 घंटे की नींद की आवश्यकता पड़ती है। इसके अलावा युवा बच्चे को रोजाना 10 घंटे की नींद लेनी चाहिए।

धूम्रपान के धुएं से बचाएं- आपके घर में कोई सदस्य धूम्रपान करता है तो बच्चों की सेहत का ध्यान रखते हुए उसे छोड़ दें। सिगरेट के धुआं शरीर में कोशिकाओं को मार सकते हैं। इसके अलावा सिगरेट बीड़ी में कई अधिक विषाक्त पदार्थों शामिल होते है जो अतिसंवेदनशील बच्चों के रोग नियंत्रण शक्ति को प्रभावित कर इम्युनिटी को कमजोर करते है।

बच्चों को कम से कम दवा दें- कई बार अभिभावक अपने बच्चों को लेकर अधिक सवेंदनशील हो जाते हैं। खासकर जब बच्चे को सर्दी, फ्लू या गले में हल्की खराश होने पर डॉक्टर को एंटीबायोटिक देने को कहते है। अधिकतर एंटीबायोटिक्स केवल बैक्टीरिया की वजह से होने वाली बीमारियों का इलाज करते हैं जबकि बचपन में अधिकतर बिमारियां वायरस के कारण होती हैं।

संक्रमण के खतरों से बचाएँ- अपने बच्चे को बीमारियों से बचाने के लिए संक्रमण वाले जीवाणु से हमेशा बचा कर रखें। आप बच्चों को कीटाणुओं से बचाने के लिए बचपन से ही हाथ धोने के बाद ही हाथों को होठों के पास लाने और कुछ खाने के बारे में बताएं। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि परिवार के अन्य सदस्यों को संक्रमित, टूथब्रश आदि के साथ-साथ बच्चों के तौलिया रुमाल और खिलौनों की सफाई हमेशा समय-समय पर करते रहें।

बच्चों को इस प्रकार मच्छरों से बचाएं

मच्छरों से मलेरिया, डेंगू के साथ ही कई अन्य बीमारियां होती हैं, ऐसे में इनसे बचाव किया जाना चाहिये। बुखार बढ़ने के साथ ही जान का भी खतरा रहता है। आजकल मौसम में बदलाव और प्रदूषण बढ़ने से मच्छरों की समस्या और बढ़ गयी है। ऐसे मौसम में मच्छर अधिक होतें हैं जो आपके रातों की नींद खराब करने से लेकर आपको बीमार करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। ऐसे में मच्छरों से बचा जाना बहुत जरूरी है, खासकर अगर घर में छोटे बच्चे हों तब क्योंकि, इन मच्छरों के काटने से गंभीर बीमारियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी जो बातें हैं उसका ध्यान जरूर किया जाना चाहिए।

घर को साफ रखें

मच्छर होने का सबसे बड़ा कारण घर में गंदगी की समस्या है, क्योंकि ऐसी जगहों में मच्छर सबसे अधिक पनपते हैं। इसके लिए आप अपने घरों को खासकर, पलंग के निचे, गमले, स्टोर रूम आदि को साफ-सुथरा रखें। साथ ही अगर आपके घर में पेड़-पौधे हों तो उसकी सफाई भी नियमित तौर पर की जानी चाहिए।

कपूर

कपूर न केवल मच्छर भगाने के लिए ठीक माना जाता है, बल्कि इससे संक्रमण का खतरा भी नहीं होता है। इसके लिए आप कपूर स्टैंड में कुछ टुकड़े कपूर के डालकर इसे जला दें। इसके धुंए से मच्छर खुद ब खुद चला जाएगा। ध्यान रहे कपूर को स्टैंड पर डालकर जलाएं ताकि यह एक घंटे तक जल सके।

लहसन और प्याज का रस

मच्छर हमेशा तेज गंध से भागते हैं इसके लिए आप प्याज और लहसुन को पीसकर इसे छान लें और इसके रस को पानी मिलाकर किसी स्प्रे वाली बोतल से पूरे घर में छिडक दें। कुछ ही देर में मच्छर भाग जायेंगे।

सरसो तेल और अजवाइन

यह नुस्खा भी बेहद कारगर है, क्योंकि इससे मच्छर जल्दी और आसानी से भागते हैं। इसके लिए आप सरसो के तेल में अजवाइन के पाउडर को डालकर जलाएं। इसके धुएं से मच्छर भाग जाते हैंसाथ ही यह शिशु को नुकसान नहीं पहुंचाता है। इसके अलावा, आप नीम का तेल या फिर बाजार में उपलब्ध साधनों का भी प्रयोग कर सकते हैं।

नहीं पड़ेगी लिप ग्लॉस लगाने की जरूरत

चुकंदर जैसे गुलाबी होंठ पाना हर किसी लडकी की ख्वाहिश होती है. गुलाबी, मुलायम होंठ अक्सर सुंदरता और स्वास्थ्य की निशानी माने जाते हैं. हालांकि, खराब मौसम, डिहाइड्रेशन, जीवनशैली की खराब आदतें और केमिकल युक्त लिप प्रोडक्ट के इस्तेमाल से होंठ काले हो जाते हैं. कुछ महिलाएं स्मोकिंग करती हैं, जिसके कारण भी होंठ काले हो सकते हैं. अब ऐसे में लिपस्टिक और बार-बार लिप ग्लॉस लगाने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं बचता है. ऐसे में आइए जानते हैं कुछ ऐसी आसान से टिप्स जिनको फॉलो करके आप नैचुरली पिंक लिप्स पा सकते हैं.

बच्चों को दवा देते समय रखें सावधनी

बच्चों को दवा देते समय पूरी सावधानी रखनी चाहिये नहीं तो वे बार बार बीमार पड़ेंगे। अक्सर जब आपके बच्चे बीमार पड़ते हैं तब आप उसे डॉक्टर के पास लेकर जाते हैं, और डॉक्टर के द्वारा गई दवाओं और उनके दिशा-निर्देशों का पालन करते हैं। इसके बाद भी कभी-कभी अभिभाव कुछ गलतियां कर बैठते हैं जिसका नुकसान आपके बच्चे को भुगतना पड़ता है। दरअसल जब बच्चे बीमार होते हैं तब आप सोचते हैं कि वह कितनी जल्दी ठीक हो जाएं, और वह हो भी जातें हैं। जब आप डॉक्टर के द्वारा दी गई दवा का पूरा खुराक या कोर्स पूरा नहीं करते हैं, तब वह बच्चों में जल्दी और दुबारा बीमार होने के कारण को पैदा करता है।

कई मामलों में ज्यादातर अभिभावक बच्चोंव को बीमारी से आराम आते ही दवा खिलाना बंद कर देते हैं क्योंकि, उन्हें लगता है कि अब बच्चे ठीक हो गए हैं तो ज्यादा दवा देना सही नहीं है लेकिन, कई बार ऐसी चीजें गलत हो जाती हैं, क्योंकि जब आप दवा के कोर्स को अधूरा छोड़ देती हैं तो परिणाम यह होता है कि बच्चेब फिर से बार-बार बीमार पड़ने लगते हैं।

हालाँकि, इन मामलों में डॉक्टरों का मानना है कि बच्चो को दवा की पूरी खुराक नहीं देना ही बच्चों के बार-बार बीमार पड़ने की वजह होती है।

ऐसे में हमेशा दवाई की पूरी डोज दें

संक्रमण का खतरा

जब आप किसी भी दवा की खुराक पूरा नहीं करती हैं तब इस तरह के संक्रमण का खतरा रहता है क्योंकि, जब तक बच्चे के शरीर में दवा का असर रहता है तब तक वो ठीक रहते हैं और जैसे ही आप दवा बंद करती हैं वैसे ही संक्रमण दुबारा से शरीर पर हमला बोल देते हैं। इसलिए डॉक्टर के अनुसार आप दवा की पूरी खुराक अपने बच्चे को दें।

बीमारी जड़ से नहीं मिटती है

यह बिल्कुल सच है कि जब आप डॉक्टचर द्वारा बताई गई दवा का कोर्स पूरा नहीं करती हैं तब बीमारी जड़ से खत्म नहीं होती है। कुछ मामलों में बच्चे ठीक होने की बजाय और अधिक बीमार होने लगते हैं।

अक्सर आपने देखा होगा कि हर दवाई का एक खुराक होता है, जिसे पूरा करने पर ही वह शरीर में असर करता है। इसलिए डॉक्टर हमेशा डोज को ध्यान में रख कर ही किसी को दवा लिखते हैं, क्योंकि उन्हें पता होता है कि कौन से दवा का कितना डोज दिया जाना चाहिए हालाँकि, अभिभावक बच्चों को दवाई देने और बंद करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें क्योंकि, आपकी एक गलती बच्चों के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

बच्चों के पेट में कीड़ों का करें घरेलू उपाय

बच्चों के पेट में कीड़े होना बेहद आम समस्या है, और लगभग 10 में से 7-8 बच्चों को यह समस्या होती ही है हालाँकि, कुछ समय तक तो यह पता भी नहीं चल पाता कि बच्चे को पेट में कीड़े हुए हैं। यह कीड़े बच्चे को अंदर ही अंदर बहुत परेशान करते हैं लेकिन यदि आप थोड़ी सी सावधानी बरतें, तो इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है, वह भी बिना किसी डॉक्टरी सलाह के।

ऐसे में, हम यहाँ कुछ ऐसी ही घरलू औषधियों के बारे में बता रहें हैं, जिनके प्रयोग से बेहद आसानी से पेट के कीड़ों से मुक्ति पाई जा सकती है। प्याज का रस- प्याज का रस पेट के कीड़ों के लिए बहुत कारगर होता है। सुबह खाली पेट बच्चे को एक प्याज का रस निकाल कर पिलाएं, इससे कीड़े की समस्या से राहत मिलती है।

करेला- करेले का रस भी पेट के कीड़ों के लिए बहुत उपयुक्त होता है लेकिन, इसका सेवन बच्चे शायद न कर पाएं। लेकिन, यदि इस प्रकार की समस्या बड़े लोगों को हो तो वह इसका प्रयोग कर सकते हैं।

हल्दी- सुबह के समय खाली पेट एक चम्मच और बच्चा छोटा हो तो आधी चम्मच हल्दी का गुनगुने पानी के साथ सेवन कराने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। कच्ची हल्दी को गुड के साथ मिलाकर गोली बना कर सेवन भी किया जा सकता है।

निम्बू और शहद- नीबू पत्तों के रस को शहद में मिलाकर सुबह खली पेट चाटने से पेट के कीडे जल्दी ही मर जाते हैं।

गुनगुने पानी में नमक का सेवन- यदि गुनगुने पानी में सुबह के समय खाली पेट थोड़ा सा साधारण नमक डालकर सेवन किया जाए तो पेट के कीड़े बहुत जल्दी मरकर बाहर निकल जाते हैं।

टमाटर और काला नमक- टमाटर में एक दो चुटकी काला नमक मिला कर सुबह खाली पेट बच्चे को खिलाएं, इससे कीड़े की समस्या से निजात मिलती है।

लहसुन की चटनी- लहसुन की चटनी भी पेट के कीड़ों में बहुत फायदेमंद होती है। इसके नियमित सेवन से पेट में कीड़े नहीं होते हैं।

कांग्रेस विधायकों ने किया स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाए जाने पर विरोध प्रदर्शन

संवाद सहयोगी

देहरादून। उत्तराखंड के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायकों ने स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाए जाने पर विरोध प्रदर्शन किया। राज्य विधानसभा के सदस्य यशपाल आर्या ने कहा कि आज हम लोग स्मार्ट मीटर को लेकर, जो इस राज्य में सरकार लागू करना चाहती है। हम उसका पुरजोर विरोध करते हैं। इसके साथ उन्होंने कहा कि कांग्रेस अन्य मुद्दों को भी सदन में लाना चाहता हूं। यशपाल आर्या ने कहा कि सरकार अहंकार में डूब चुकी है और सत्र की अवधि को बढ़ाना नहीं चाहती है। हमारे प्रमुख जन मुद्दों से सरकार चर्चा कराने से बचना चाहती है, क्योंकि सरकार डरी हुई है। चारो तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त है। आज हम प्रीपेड मीटर को लेकर जो सरकार इस राज्य में लागू

करना चाहती है। हम उसका पुरजोर विरोध करते हैं। इसके अलावा कांग्रेस अन्य मुद्दों को भी सदन में लाना चाहती है, जैसे सशक्त भू कानून, पलायन, रोजगार, आपदा आदि। बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक कई तरह की तख्तियां हाथों में लिए पाए गए। इनमें कई तरह के नारे लिखे थे, जिनमें स्मार्ट मीटर के विरोध से जुड़े भी थे। महिला सदस्य के हाथ की तख्ती में लिखा था, ये स्मार्ट मीटर नहीं चीटर है। इसके साथ ही सत्र की अवधि को बढ़ाने जैसी मांग भी लिखी थी। कानून और मूल निवास का हक दिलाने की मांग भी की गई थी। वहीं तख्ती के जरिए आरोप लगाया गया था भाजपा जनता की आवाज दबा रही है।आपको बता दें कि उत्तराखंड में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर पहले से ही विरोध प्रदर्शन चल रहा था। इस कड़ी में खटीमा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसके विरोध में शव यात्रा भी निकाली थी और बिजली विभाग के कार्यालय के बाहर जाकर भी प्रदर्शन किया था। कांग्रेसियों ने प्रीपेड मीटर को जन विरोधी करार दिया था। इसके साथ ही सरकार से इस प्रक्रिया को तत्काल बंद करने की मांग की थी।

महाराज ने यूसीसी में एक साल की समय सीमा के प्रावधान को किया स्पष्ट

संवाद सहयोगी

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने यूसीसी सेवाओं के लिए एक साल की समय सीमा के प्रावधान को लेकर स्पष्ट किया है कि उक्त समय सीमा का संबंध सिर्फ उच्च के तहत होने वाली शादी, विवाह, तलाक, लिव इन रिलेशन जैसे पंजीकरण से है। इसे किसी भी अन्य सेवा शर्त नियम या अधिकार से जोड़े जाने का कोई औचित्य नहीं है। कैबिनेट मंत्री महाराज ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी देश या राज्य में किसी भी स्थान पर सामान्य निवास के दौरान वहां के पते पर अपना वोटर कार्ड, डीएल या अन्य दस्तावेज बनवा लेता है तो इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि उसे संबंधित देश या राज्य के मूल या स्थाई निवासी का दर्जा मिल जायेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में मूल एवं स्थाई निवासी बनने के लिए अलग नियम है जो कि पहले से ही चले आ रहे हैं उसमें किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने यूसीसी सेवाओं के लिए एक साल की समय सीमा के प्रावधान को स्पष्ट करते हुए कहा कि यूसीसी के तहत किया गया कोई भी पंजीकरण उत्तराखंड का स्थाई निवास या मूल निवासी प्रमाण पत्र प्रधान नहीं करेगा। स्थाई निवास या मूल निवास का दर्जा केवल संबंधित प्रावधानों के तहत ही दिया जा सकता है ना कि यूसीसी के तहत। कहने तात्पर्य यह है कि यूसीसी पंजीकरण का उत्तराखंड के मूल या स्थाई निवासी प्रमाण पत्र से कोई लेना देना नहीं है।

स्वच्छ सुंदर नगर निगम बनाने के लिए करें कार्य

संवाद सहयोगी

ऋषिकेश। मेयर शंभू पासवान ने बुधवार को नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। उन्होंने नगर में बेहतर सफाई व्यवस्था बनाने, निर्माण कार्यों को तय समय में पूरा करने के साथ निगम की जीर्णशीर्ण संपत्तियों का पुनर्निर्माण करने सहित अन्य आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान मेयर ने नगर निगम के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। तत्पश्चात नगर आयुक्त शैलेंद्र नेगी ने नगर निगम में विभिन्न पदों पर रिक्तियों के बारे में मेयर को अवगत कराया। जिस पर मेयर ने आश्वासन दिया कि शासन स्तर से रिक्त पदों को भराया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नगर को सुंदर एवं स्वच्छ बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। शहर में विकास कार्य के लिए वृहद स्तर पर योजना बनाने एवं सफाई व्यवस्था पर किसी भी प्रकार से कोई लापरवाही न बरतने, जीर्णशीर्ण अवस्था में पड़ी नगर निगम की संपत्तियों के पुनर्निर्माण करने, नगर निगम की आय बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने शहर में सार्वजनिक जगहों पर विचरण कर रहे निराश्रित पशुओं की समस्या पर जल्द कार्रवाई करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्माण कार्य में गुणवत्ता को लेकर कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी निर्माण कार्य समय सीमा में किए जाए। मौके पर नगर आयुक्त शैलेंद्र नेगी, सहायक नगर आयुक्त रमेश सिंह रावत, चंद्रकांत भट्ट, अमन कुमार, अधिशासी अभियंता दिनेश प्रसाद उनियाल, कर अधीक्षक अनिल कुमार पंत, लेखा अधिकारी स्नेहा, कुमारी भारती, अवर अभियंता प्रभुदत्त नौटियाल, विनोद पुरोहित, संदीप रतूड़ी, सुजीत यादव, ललित नौटियाल, कविता लोहानी, प्रमोद कुमार थापा, वरुण, दिनेश उनियाल, दीपक सेमवाल, सफाई निरीक्षक संतोष गोसाई, यशवीर, आदर्श, दीपाली, जसकीरत कौर, शुभम सैनी आदि उपस्थित रहे।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने की सीएम धामी से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से बुधवार को विधानसभा देहरादून में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय मेहरावना (चकराता) के विद्यार्थियों ने भेंट की। इसके बाद छात्र - छात्राओं ने विधानसभा में विधानसभा सत्र में हो रही विभिन्न गतिविधियों को देखा। मुख्यमंत्री ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

वहीं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने प्रदेश में सशक्त भू-कानून लागू करने के लिए संशोधित भू-कानून को कैबिनेट की मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश हित में लिया गया महत्वपूर्ण ऐतिहासिक निर्णय बताया है।

जनमानस को मिले त्वरित न्याय के निर्देशों को धरातल पर उतारने को डीएम संकल्परत

संवाद सहयोगी

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देशन में जिला प्रशासन की टीम द्वारा आज रायपुर क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित गैस गोदाम की भूमि पर भूमि के असली मालिक 97 वर्षीय बुर्जुग महिला एवं उनकी 80 वर्षीय पुत्री को कब्जा दिला दिया है। डीएम के जनता दर्शन कार्यक्रम में संज्ञान में आया था मामला, जिस पर जांच कराते हुए डीएम ने जिला प्रशासन की टीम को मौके पर भेज 03 जनवरी को गैस गोदाम सील करा कराया था। लीज समाप्त होने के बाद भी वर्षों से संचालित किया जा रहा था गैस गोदाम भूमि के असली वारिस अपनी भूमि से कब्जा छुड़ाने हे 25 वर्षों से सरकारी कार्यालयों एवं कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रहे थे। जिलाधिकारी सविन बंसल के मामला संज्ञान में आते ही जांच बिठाई गई थी, जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर प्रशासन ने महिला को भूमि पर संचालित अवैध गैस गोदाम को सील करते हुए बड़ी कार्यवाही की गई थी। आज आखिरकार प्रशासन ने महिला को उनकी भूमि पर कब्जा दिलाकर न्याय की मिशाल पेश की है।

जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी ने आज जिला प्रशासन एवं जिला प्रशासन के इस त्वरित एक्शन से जहां एक शारीरिक रूप से अक्षम 97 वर्षीय बुर्जुग महिला लीला देवी, उनकी 80 वर्षीय पुत्री नीना गुरूंग को न्याय मिला वहीं जिला प्रशासन के प्रति जनमानस का विश्वास बढा है। वहीं अपनी सम्पत्ति की चाबी पकड़ते हुए महिला ने जिलाधिकारी सविन बसंल, एसडीएम कुमकुम जोशी, उनकी टीम को साधुवाद दिया। डीएम ने अवैध रूप से संचालित हो रहे गैस गोदाम का अविलम्ब लाईसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से पूछा कि इतने लम्बे समय से जिम्मेदार विभागों ने क्यों नही की, विभागीय अधिकारियों के प्रकरण पर संज्ञान न लिए जाने पर हैरानगी जताते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी एवं नियम कहां थे क्यों नही लिया गया सख्त एक्शन। अवैध रूप से संचालित गैस गोदाम का लाईसेंस निरस्त करने की तैयारी, अविलम्ब लाईसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए थे। महिला ने अपनी शिकायत पत्र के माध्यम से बताया कि रायपुर में उनकी स्थिति को देखते हुए रांझावाला रायपुर में उनकी 12 हजार वर्ग फीट भूमि पर भूमाफिया की नजर है। इस अवैध कब्जा कर गैस एजेंसी का संचालन किया जा रहा है। उनके पति द्वारा वर्ष 1988 में 10 वर्ष की लीज पर गैस गोदाम संचालित करने हेतु दिया गया था, जिसकी लीज समाप्त होने के बाद भी वर्ष 2000 से किराया देना बंद कर दिया तथा अभिलेखों में हेरफेर कर भूमि अपने नाम कर दी प्रकरण को गंभीरता से लेते डीएम ने स्पष्ट जांच के साथ उचित कार्यवाही के निर्देश दिए थे।

बाहरी लोगों को उत्तराखंड में जमीन खरीदना नाकों चने चबाने जैसा

संवाद सहयोगी

देहरादून। नए भू कानून के बाद दूसरे राज्य के लोगों के लिए उत्तराखंड में जमीन खरीदना नाकों चने चबाने जैसा होगा। इसके लिए जमीन खरीद को मंजूरी देने की प्रक्रिया को बेहद जटिल कर दिया गया है। जिला स्तर पर मिलने वाली तमाम रियायतों को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। अभी जिला स्तर पर जिलाधिकारी स्तर से भी बाहर के लोगों को जमीन खरीद की मंजूरी देने का नियम था। इसे सरकार ने बुधवार की कैबिनेट में पूरी तरह समाप्त कर दिया है। अब शासन के अलावा किसी को भी जमीन खरीद की मंजूरी देने का अधिकार नहीं रहेगा। जिलाधिकारी के अधिकार को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। ऐसे में अब लोगों को जमीन खरीद को जिला स्तर से लेकर शासन स्तर तक की दौड़ लगानी पड़ेगी। सचिवालय राजस्व अनुभाग की जटिल और उलझाऊ प्रक्रिया से जूझना होगा। जमीन खरीद की प्रक्रिया को जटिल करने के पीछे सरकार की मंशा बाहरी लोगों के जमीन खरीद को हतोत्साहित करना माना जा रहा है। 2018 में किए गए भू कानून संशोधनों में ही जिलाधिकारियों को जमीन खरीद की मंजूरी देने का अधिकार दिया गया था। जमीन खरीद की प्रक्रिया को बेहद लचीला बना दिया गया था। इसके कारण कई मामलों में तो दूसरे राज्य के लोगों को जमीन खरीद की मंजूरी 24 घंटे के भीतर तक उपलब्ध करा दी गई। जिला प्रशासन स्तर पर दिखाई गई दरियादिली पर अब रोक लग सकेगी। उत्तराखंड में अब जमीन खरीद को एक राज्य स्तरीय पोर्टल तैयार होगा। इस पोर्टल में दूसरे राज्य के लोगों के जमीन खरीदने का एक एक ब्यौरा दर्ज होगा। किस व्यक्ति, किस परिवार के नाम पर किस जिले में कहां जमीन है, उसकी एक एक जानकारी दी जाएगी। पोर्टल में बाहरी लोगों की जमीन का एक एक इंच दर्ज होगा। जिलाधिकारियों की भूमिका इस मामले में बेहद अहम हो जाएगी।

गायनी के पीजी डॉक्टरों को सिखाए सर्जरी के गुर

देहरादून। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति विभाग और फोग्सी आईएजीई की ओर से एक दिवसीय एडवांस लैप्रोस्कोपिक सर्जरी ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के पीजी डॉक्टर्स ने आधुनिक लैप्रोस्कोपिक सर्जरी की विधाओं को जाना। विशिषज्ञों ने ऑपरेशन थियेटर से लाइव सर्जरी के द्वारा मिनिमली इनवेजिव गायनी प्रोसिजर की जानकारियों को युवा डॉक्टरों के साथ साझा किया। प्राचार्य डॉ. अशोक नायक, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता गुप्ता, डॉ. आरती लूथरा, डॉ. अनुपमा सेठी, डॉ. रोबिना मक्कड़ ने दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यशाला में लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी, मयोमैक्टॉमी, ओवेरियन सिस्टेक्टॉमी, जैसी मुख्य प्रक्रियाओं का लाइव प्रदर्शन, सिम्यूलेशन आधारित प्रशिक्षण और इंट्रैक्टिव सेशन का आयोजन भी किया गया।

व्हाट्एप ग्रुप में ट्रेडिंग के जरिए मोटी कमाई की पोस्ट देखकर गंवाए 50 लाख

संवाद सहयोगी

देहरादून। साइबर ठगों ने व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से एक व्यक्ति को शेयर ट्रेडिंग का लालच देकर 50 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऋषिकेश निवासी पंकज कुमार चौहान (उम्र 55 वर्ष) की तहरीर पर साइबर अपराध थाना देहरादून पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक पंकज को बीते 21 दिसंबर को एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप ग्रुप (ष्ब्-8 प्दकपंद ैजवबा डंतामजष) में जोड़ा गया। इस ग्रुप में शेयर ट्रेडिंग का प्रशिक्षण देने की बात कही गई थी। पीड़ित भी यहां एक्सपर्ट के टिप्स समझकर कमाई के झांसे में आ गए। तब उन्हें बीते छह जनवरी को ब्राउन सीएम नाम की ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड करने के लिए एक लिंक भेजा गया। जो बाद में डिलीट कर दिया गया। ग्रुप में ठगी गैंग से जुड़े सदस्यों ने खुद को आम नागरिक दर्शाते हुए मुनाफे के स्क्रीनशॉट साझा किए गए। जिससे प्रभावित होकर उन्होंने भी ट्रेडिंग के लिए रकम निवेश की। पीड़ित ने छह जनवरी से 21 जनवरी 2025 के बीच स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, ऋषिकेश शाखा से आरोपियों के दिए बैंक खातों में कुल ष्50.20 लाख रुपये ट्रांसफर किए। इसके बाद पीड़ित ने रकम निकालने की कोशिश की तो खाता ब्लॉक होने समेत अन्य झांसे बताते हुए और रकम मांगी गई।

ऋषभ अध्यक्ष और प्रणव भण्डारी बने सचिव

संवाद सहयोगी

ऋषिकेश। ओंकारानंद इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में बुध वार को ओआईएमटी रोटरेक्ट क्लब का गठन किया गया, जिसमें ऋषभ रावत को अध्यक्ष और प्रणव भंडारी को सचिव बनाया गया। नई टीम ने छात्र-छात्राओं को सामाजिक कार्य करने को प्रेरित किया। मुनिकीरेती स्थित ओंकारानंद इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में ओआईएमटी रोटरेक्ट क्लब द्वारा बैच समारोह एवं सर्टिफिकेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार राठी, रोटरी क्लब ऋषिकेश के अध्यक्ष अमित सिंघल, पूर्व अध्यक्ष राकेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में रोटरेक्ट क्लब की नई कार्यकारणी का गठन करते हुए ऋषभ रावत को अध्यक्ष, कृश भूटियानी को उपाध्यक्ष, ध्रुव बंसल को कोषाध्यक्ष, प्रणव भंडारी को सचिव नियुक्त किया गया। रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष राकेश अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें सामाजिक कार्य में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब ऋषिकेश छात्र-छात्राओं की हर संभव मदद करने को तैयार रहता है। निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार राठी ने छात्र-छात्राओं को सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने को कहा। उन्होंने कहा अगर आपके अंदर अच्छी भावना हो तो आप निश्चित रूप से ही समाज के उत्थान में सहयोग प्रदान कर सकते हैं। ओआईएमटी रोटरेक्ट क्लब न केवल निर्धन व्यक्तियों के ही सहायता करें, बल्कि धनवान व्यक्तियों को भी सही दिशा-निर्देश प्रदान कर समाज में पूर्ण रूप से भूमिका निभाए। इस दौरान रोटरेक्ट क्लब के नव नियुक्त पदाधिकारियों को बैच पहना कर व सभी सदस्यों को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। मौके पर संस्थान के रजिस्ट्रार डॉ. रितेश चौधरी, प्रिंसिपल डॉ. विकास गैरोला, ओआईएमटी रोटरेक्ट क्लब के फैकल्टी कॉर्डिनेटर नवीन द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

संजीव की सैन्य सम्मान के साथ अंत्येष्टि

संवाद सहयोगी

हल्द्वानी। हल्द्वानी सड़क हादसे में मारे गए बागेश्वर के सैनिक और कारोबारी का शव मंगलवार देर शाम बागेश्वर पहुंचा। शवों के यहां पहुंचते ही दोनों घरों में चीख-पुकार मच गई। बुधवार सुबह दोनों की शव यात्रा अलग-अलग जगह से निकली। सरयू संगम पर सैनिक संजीव की अंत्येष्टि सैन्य सम्मान के साथ हुई, जबकि कारोबारी गौरव का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। शोक में 11 बजे तक बाजार बंद रहा। व्यापारियों ने शोक सभा कर दोनों को श्रद्धांजलि दी। मालूम हो कि मंगलवार तड़के तीन पानी के पास हुए सड़क हादसे में बागेश्वर के कारोबारी गौरव जोशी, सैनिक संजीव चौबे की मौत हो गई, जबकि उनका तीसरा साथी धीरज कुमार घायल हो गया था। उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मंगलवार देर रात दोनों के शव बागेश्वर पहुंचे। सैनिक का पार्थिव शरीर बिलौना उनके घर पहुंचा, जबकि गौरव का शव जिला मुख्यालय स्थित उनके आवास में रखा गया। बुधवार की सुबह परिजनों की अश्रुपूरित विदाई के बाद सैनिक संजीव की शवयात्रा शुरू हुई। सरयू संगम पर सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। कौसानी से आई सिंग्नल कोर की टुकड़ी ने सैनिक को अंतिम विदाई दी। सेना के अधिकारियों ने पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र चढ़ाया।